इंदौर, गुरुवार 20 नवंबर 2025

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 21
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

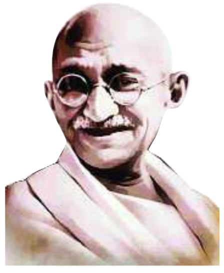

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

एसआईआर पर चुनाव आयोग के सीधे बोल

पेज-2

मधुर आवाज से रागेश्वरी ने जीता फैंस का दिल

पेज-5

डाकघर में भी जमा होंगे बिजली बिल

भारतीय डाक India Post

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- नीतीश कुमार आज लेंगे सीएम पद की शपथ, राज्य को मिलेंगे दो उपमुख्यमंत्री
- पटना : अमित शाह से मिलने मौर्य होटल पहुंचे नीतीश कुमार
- सूत्र : बीजेपी विधायक प्रेम कुमार होंगे बिहार विधानसभा के अध्यक्ष
- यूपी : घोसी से सपा विधायक सुधाकर सिंह का निधन
- दिल्ली ब्लास्ट केस : अल फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी का मकान अवैध घोषित
- इजरायल जाएंगे पीयूष गोयल, ट्रेड-टेकनॉलोजी-निवेश पर होगी बातचीत
- मैं ट्रंप को यूएस और विश्व के लिए उनके सभी कार्यों के लिए धन्यवाद देता हूं : एलन मस्क
- ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री आएंगे भारत, एस जयशंकर से करेंगे मुलाकात
- कर्नाटक : कुत्तों के काटने से मरने वालों के परिजनों को 5 लाख का मुआवजा देने की घोषणा

विश्व धरोहर सप्ताह : ऐतिहासिक पैलेस राजवाड़ा

इंदौर ● दैनिक इंदौर संकेत। राजवाड़ा जिसे होलकर पैलेस या पुराना महल भी कहा जाता है, इंदौर में एक ऐतिहासिक महल है, जिसका निर्माण लगभग 2 शताब्दी पहले मराठा साम्राज्य के होलकर द्वारा किया गया था। उस समय की वास्तुकला का एक उदाहरण, महल 7 मंजिला संरचना है। अपने आकार और उम्र के कारण इस संरचना ने पर्यटकों का ध्यान आकर्षित किया है। प्रवेश द्वार पर ही एक बड़ा लकड़ी का दरवाज़ा है, जिसे लोहे के स्टड द्वारा सहारा दिया गया है। प्रवेश द्वार के अंदर, एक प्रांगण है जिसमें मराठा धनुषाकार गणेश हॉल और कई बालकनियाँ, खिड़कियाँ और गलियारे हैं जो गैलरी वाले कमरों से जुड़ते हैं। निचली तीन मंजिलें पत्थर से बनी हैं और ऊपरी मंजिलें लकड़ी से बनी हैं। मौजूदा इमारत आयताकार है जिसके चारों कोनों पर बेलनाकार बुर्ज हैं। राजवाड़ा महल के सामने एक सुव्यवस्थित उद्यान है जिसमें रानी अहिल्या बाई की मूर्ति।

मतदाता सूची : निर्वाचन विभाग के स्टोर शाखा में लग रही भीड़

अपना नाम तलाशने के लिए पहुंच रहे कलेक्टर कार्यालय

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य गत 4 नवंबर से जारी है, लेकिन इसमें कई तरह की कठिनाइयां भी सामने आ रही है। कई लोग जिनके नाम अभी वर्तमान सूची में तो हैं, लेकिन 2003 की मतदाता सूची में ऑनलाइन नहीं दिखाई दे रहे है, तो वे कलेक्टर कार्यालय पहुंच रहे है और यहां स्थित निर्वाचन विभाग के स्टोर शाखा में अपनी नाम तलाश रहे है। लेकिन कइयों को निराशा ही हाल लग रही है। क्योंकि वे अपनी जानकारी पूरी तरह सही नहीं बता पा रहे है। जिसके कारण उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जबसे एसआईआर का कार्य शुरू हुआ है, उसके बाद से प्रतिदिन कलेक्टर कार्यालय के स्टोर शाखा में कई लोग अपना नाम तलाशने के लिए 2003 की निर्वाचन नामावली में अपना नाम ढूंढने आ रहे है। यहां के कर्मचारी भी इन लोगों का पूरा सहयोग कर रहे हैं, लेकिन कई लोग अपनी पूरी जानकारी सही नहीं बता पा रहे हैं कि उन्होंने 2003 में कहा वोट डाला था, वर्तमान नामावली में तो उनका नाम है, लेकिन 2003 की नामावली में नहीं होने से वे परेशान हो रहे है।

रीना की नियुक्ति से कांग्रेस का क्षेत्रीय समीकरण बिगड़ा

प्रदेश अध्यक्ष और सेवादल अध्यक्ष की नियुक्ति भी मालवा क्षेत्र के होने से संतुलन गड़बड़ाया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कांग्रेस ने एमपी महिला कांग्रेस अध्यक्ष पद पर सीधे दिल्ली से नियुक्ति आदेश जारी हुए हैं। सांवेर की एससी नेता रीना सैतिया को मप्र महिला कांग्रेस की कमान सौंपी गई है। इस आदेश के जरिए एक बार फिर नियुक्तियों में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अपनी पावर दिखाई है। मध्य प्रदेश कांग्रेस ने हाल ही में संगठन में बड़ा बदलाव करते हुए रीना सैतिया को महिला कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। नियुक्ति का क्षेत्रीय समीकरण प्रदेश कांग्रेस के शीर्ष पदों के इंदौर से होने पर पार्टी के भीतर असंतोष देखा जा रहा है।

कार्यकर्ताओं का मानना है कि कांग्रेस संगठन में महत्वपूर्ण पद केवल एक ही क्षेत्र (मालवा-इंदौर) के नेताओं को देना, अन्य क्षेत्रों के नेताओं और कार्यकर्ताओं को हतोत्साहित कर सकता है। इससे क्षेत्रीय संतुलन में असंतुलन महसूस हो रहा है, विशेषकर जब पिछली महिला अध्यक्ष विभा पटेल भोपाल से थीं। असंतोष के कारण कई कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं की राय है कि प्रदेश नेतृत्व एवं महिला अध्यक्ष इंदौर क्षेत्र से होना अन्य जिलों और क्षेत्रों की उपेक्षा का संकेत देता है। पद बांटने में प्रमुखता एक ही क्षेत्र के नेताओं को मिलने से कार्यकर्ताओं के मन में असंतोष है। यह मुद्दा आने वाले विधानसभा चुनाव और संगठन की एकजुटता के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रदेश कांग्रेस के अहम पद मालवा के पास

मध्यप्रदेश कांग्रेस में इस वक्त मालवा के नेताओं का दबदबा है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी इंदौर के राऊ से आते हैं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार धार के रहने वाले हैं। अब महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष भी इंदौर से बनाई गई हैं। आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ विक्रांत भूरिया रतलाम के रहने वाले हैं।

बहरहाल रीना सैतिया का राजनीतिक करियर मुख्य रूप से इंदौर के सांवेर क्षेत्र से जुड़ा रहा है। वे लंबे समय से कांग्रेस संगठन में सक्रिय रही हैं। उन्होंने वर्ष 2023 के मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में सांवेर सीट से चुनाव लड़ा था। वे महिला कांग्रेस की प्रदेश महासचिव, प्रदेश सचिव और प्रवक्ता जैसे संगठनात्मक पदों पर रह चुकी हैं। लोकल राजनीति में सक्रियता के साथ-साथ उन्होंने 'भारत जोड़ो यात्रा' जैसे बड़े राष्ट्रीय आंदोलन में भी भागीदारी निभाई है। रीना सैतिया किसान और महिला मुद्दों को लेकर आंदोलनों और विरोध-प्रदर्शनों में भी चर्चा में रही हैं, जिसकी वजह से संगठन में उनकी पहचान एक जुझारू नेत्री की बन गई। उनकी नियुक्ति से पहले वे इंदौर जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष और विभिन्न सामाजिक संगठनों में भी सक्रिय भूमिका निभा चुकी हैं।

ओबीसी से एससी मोर्चा पर दाव

कांग्रेस में अभी विभा पटेल महिला अध्यक्ष थी। वह अर्चना जायसवाल के बाद इस पद पर आई थी। पटेल ओबीसी वर्ग से थी। इस बार कांग्रेस शुरू से ही एससी वर्ग से इस पद को भरने के लिए तैयारी कर रही थी। आखिर में सैतिया को नियुक्त किया गया।

अवनीश भार्गव सेवादल के मुख्य संगठक बने

भोपाल के बैरसिया के रहने वाले अवनीश भार्गव मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवादल के मुख्य संगठक बनाए गए हैं। भार्गव सागर, विदिशा, उज्जैन सहित कई जिलों के प्रभारी रह चुके हैं।

बदलेगा भेरूघाट : बनेगा नया वायडक्ट तीन टनल से होकर गुजरेंगे वाहन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर-खंडवा रोड पर सिमरोल के आगे जिस भेरूघाट पर 20 मौतें हुईं, वो खत्म किया जा रहा है। इसे खत्म करने के लिए नर्मदा नदी से भी ऊंचा वायडक्ट और टनल बनाई जा रही है। हादसों की संभावना को जीरो करने के लिए वायडक्ट को विशेष डिजाइन किया गया है। इसके साथ ही तीन टनल भी बनाई जा रही हैं, ताकि हादसे की संभावना न के बराबर हो।

इस प्रोजेक्ट को पूरा करने वाली कंपनी मेघा इंजीनियरिंग के डीपीएम चंदन पटेल ने बताया कि भेरूघाट के घुमावदार घाट की ढलान को खत्म करने के लिए 35 मीटर ऊंचा और 400 मीटर लंबा वायडक्ट बन रहा है, वहीं इतने लंबे वायडक्ट पर गाड़ी बेकाबू न हो, इसके लिए गणपति घाट के हादसों से सबक लेते हुए इसकी ढलान को भी खत्म किया गया है।

भेरूघाट सेक्शन पर बन चल रहा निर्माण कार्य लगभग 80 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है। यहां पर अब 15 से 20 प्रतिशत फिनिशिंग वर्क ही बचा है, जो मार्च-अप्रैल तक पूरा कर लिया जाएगा, जिसके बाद यहां पर मई-जून 2026 से ट्रैफिक शुरू कर दिया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, वायडक्ट पर 160 गर्डर की लॉन्चिंग पूरी हो चुकी है।

कुल 450 मीटर के वायडक्ट में 30 मीटर का एक-एक स्पान है। 80 से 100 टन के प्रत्येक गर्डर को 2 क्रेन की मदद से खाई में 30 मीटर ऊपर तक उठ रहे दो पियर के बीच रखा गया। यह पूरी प्रक्रिया मार्च में शुरू हुई और अक्टूबर के आखिरी सप्ताह तक पूरी कर ली गई थी।

इंदौर-खंडवा रोड पर सबसे खतरनाक भेरूघाट ही है। यहां पर वायडक्ट तलाई नाके से शुरू होगी और पहली टनल के पास खत्म होगी। कॉन्ट्रैक्ट कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि यहां पर दुर्घटना न हो इसके लिए टनल और डक्ट के बीच में 3.5 ग्रेडियन (कम ढलान) का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसे ऐसे समझ सकते हैं कि गणपति घाट पर 5.5 (अधिक ढलान) से ज्यादा ग्रेडियन है।

ग्लोबल लीडर अप्रूवल रेटिंग मोदी फिर दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता

नई दिल्ली (एजेंसी) ● प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का ग्राफ दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। उनकी लीडरशिप ने दुनिया भर में उन्हें नंबर वन पर ला दिया है। वे लेटेस्ट ग्लोबल लीडर अप्रूवल रेटिंग लिस्ट में सबसे आगे हैं। मॉर्निंग कंसल्ट की ओर से यह लिस्ट जारी की गई है। यह लिस्ट 6 से 12 नवंबर, 2025 तक इकट्ठा किए गए डेटा पर आधारित है। मॉर्निंग कंसल्ट रिपोर्ट में कहा गया है कि यह रेटिंग देश व्यस्कों के बीच किए गए सर्वे में पिछले सात दिनों सिंपल मूविंग एवरेज को दर्शाती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी की अप्रूवल रेटिंग 71 प्रतिशत है। उनके बाद दूसरे नंबर पर जापान के जापान के प्रधानमंत्री साने ताकाइची हैं।

एमवाय में मरीज को चढ़ाई एक्सपायरी ड्रिप, मचा हड़कंप

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● एमवाय अस्पताल एक बार फिर विवादों में है। दरअसल, अस्पताल का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा हैं, जिसमें वहां भर्ती मरीज़ को एक्सपायर्ड सलाइन चढ़ाने के बात कही जा रही है। हालांकि, मरीज़ की हालत सामान्य हैं, लेकिन इस पूरे मामले पर परिजनों ने आपत्ति जताते हुए शिकायत की है।

परिजनों के शिकायत के बाद प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है। बताया जाता है कि वार्ड 21 में भर्ती रौशनी पेट में एसिडिटी फ्लूइड की शिकायत लेकर भर्ती हुई थी। उनके परिजनों के मुताबिक मरीज़ को लगाई गई ड्रिप पर लगी वायल पर जो तारीख दर्ज है, उसके मुताबिक ये ड्रिप एक्सपायर हो चुकी है। इसे देखने के बाद उन्होंने स्टाफ से बात की, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उन्होंने इसकी शिकायत अस्पताल प्रबंधन से की, जिस पर अब जांच की बात कही जा रही है। परिवार के मुताबिक रोशनी लम्बे समय से बीमार थी। परिवार की आर्थिक स्थिति कमज़ोर है, इसलिए उन्होंने बेटी को इंदौर के एमवाय अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया था।

एमवाई हॉस्पिटल में मिले एक्सपायर लाइन बोतल का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हॉस्पिटल सुपरीटेंडेंट डॉक्टर अशोक यादव ने बताया कि वार्ड 21 में महिला 12 तारीख से भर्ती हैं। जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टर की ओर से निर्धारित दवा उसे दी जा रही थी। इसी दौरान जब उसे ये दवा दी जा रही थी, तभी नर्स की निगाह आईवी स्टैंड पर लगे ड्रिप पर गई, तब एक्सपायरी देख कर नर्स ने तुरंत उसे बदलने के लिए दूसरी बोतल मंगवाई, तभी किसी ने वह वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। हॉस्पिटल सुपरीटेंडेंट ने बताया हमारे यहां किसी भी प्रकार की एक्सपायरी दवा का उपयोग प्रतिबंधित है।

आईडीए का संपदा विभाग सैकड़ों आम जनता परेशान

कर्मचारियों की दादागिरी, अधिकारी सुस्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर विकास प्राधिकरण की संपदा शाखा आज नहीं वर्षों से आम जनता की कमर तोड़, चप्पल घिसने और परेशानी की वजह साबित हुई हैं। दरअसल वह इसलिए क्योंकि संपदा अधिकारी मनीष श्रीवास्तव काफी ज्यादा सुस्त है और लगभग उक्त संपदा शाखा की बागडोर लगभग शाखा के कुछ चंद बाबुओं के भरोसे रहती हैं। जिसकी वजह उन

ऐसे बाबुओं की दादागिरी चरम पर हैं और आम जनता इनके अत्याचार झेलती रहती हैं। यह हम नहीं बल्कि यहां आने जाने वाले आम लोगों का कहना है कि कोई भी कार्य हो और संपदा अधिकारी मनीष श्रीवास्तव के पास वह जाते है तो संपदा शाखा प्रभारी श्रीवास्तव उन्हें बाबुओं के भरोसे भेज देते है। और ये बाबू जिनके पास स्कीम है वह महीनों तक चक्कर पर चक्कर कटवाते रहते हैं। लेकिन उनका काम होना लगभग बहुत बड़ी चुनौती साबित होती हैं।

हाल में संपदा शाखा के 30 सितम्बर को रिटायर हो चुके बाबू कैलाश दवे का खुलासा किया था। जो रिटायर होने के बाद भी संपदा शाखा में उसी कुर्सी पर

बैठ रहे हैं। जहां वह बैठे रहते थे। हालांकि खबर लिखते ही दवे यहां से गायब हो गए हैं। लेकिन वर्तमान में जो बाबू है उनकी दादागिरी चरम पर हैं। जिसका सामना यहां आने जाने वाले हर किसी को करना पड़ता हैं। ये बाबू जिनके आगे शाखा प्रभारी भी नतमस्तक- संपदा शाखा में आउटसोर्स कर्मचारी पंकज गुनारे, अजय बिल्लौरे, जितेंद्र 'साहू, गिरीश हलवे, दिलीप सिलावट, जैसे संपदा शाखा के बाबू है जिनकी वजह से आम जनता परेशान होती रहती हैं।

लैंड-पूलिंग का संशोधन आदेश जारी

गोलमाल आदेश स्वीकार नहीं-किसान संघ

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भारतीय किसान संघ के विरोध के बाद सोमवार को हुई वार्ता में मध्यप्रदेश लैंड पूलिंग एक्ट वापस लेने की घोषणा के बाद मंगलवार सुबह उज्जैन में किसान संघ ने जश्न मनाया था। लेकिन बुधवार को गजट नोटिफिकेशन जारी होने के बाद किसान संघ ने सरकार पर वार्ता में किए गए वादे से मुकरने का आरोप लगाते हुए एक बार फिर आंदोलन की चेतावनी दी है।

भारतीय किसान संघ ने प्रेस नोट जारी कर कहा कि मध्यप्रदेश सरकार के नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा जारी आदेश पर प्रदेश अध्यक्ष कमल सिंह आंजना ने गंभीर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि सरकार से हुई वार्ता में किसान संघ ने लिखित में यह स्पष्ट किया था कि सिंहस्थ क्षेत्र में लैंड पूलिंग एक्ट समाप्त किया जाए। उज्जैन सिंहस्थ क्षेत्र से नगर विकास योजना के तहत आने वाले लैंड पूलिंग एक्ट का गजट नोटिफिकेशन रद्द किया जाए और सिंहस्थ पूर्व की तरह ही आयोजित किया जाए। साथ ही उज्जैन में किसानों पर दर्ज सभी मुकदमे वापस लिए जाएं और सिंहस्थ क्षेत्र में कोई भी स्थायी निर्माण न किया जाए। आंजना ने आगे कहा कि सरकार से चर्चा लैंड पूलिंग संबंधित धारा समाप्त करने की थी, लेकिन जारी आदेश में नियम उलझाने वाले प्रतीत होते हैं। प्रतिनिधि मंडल की सरकार से जो बातचीत हुई थी, उसमें लैंड पूलिंग एक्ट निरस्त होना तय था। यानी स्कीम 8, 9, 10 और 11 समाप्त करते हुए धारा 50(1) को हटाया जाना था।लेकिन जारी संशोधन से ऐसा लगता है कि किसानों को उलझाया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

राह में राहगीर को मिली राहत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राज्य शासन द्वारा प्रदेश के नागरिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा की बेहतरी के लिए चलायी जा रही संजीवनी 108 एम्बुलेंस प्रभावशाली सिद्ध हो रही है। साथ ही शासकीय स्वास्थ्य सेवाओं से भी आमजन लाभान्वित हो रहे हैं। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण धार जिले के ग्राम केसरी में देखने को मिला। जब एक गर्भवती महिला को अचानक पेट में उठे दर्द के बाद उसे सुरक्षित प्रसव कराया गया। इसमें शासकीय स्वास्थ्य सेवा और संजीवनी 108 एम्बुलेंस की महत्वपूर्ण भूमिका रही। गत 18 नंवबर की सुबह, धार जिले के केसरी ग्राम निवासी श्याम अपनी गर्भवती पत्नी और बेटे को मोटर साइकिल पर बिठाकर इंदौर से धार जिले स्थित अपने गाँव लेकर जा रहे थे। कलारिया ग्राम के बाहरी क्षेत्र से गुजरते हुए महिला को तकलीफ हुई, उसने पति से मोटर साइकिल रोकने को कहा, पति ने सड़क किनारे मोटर साइकिल खड़ी की, तब पत्नी ने श्याम से कहा कि दर्द हो रहा है, लगता है प्रसव पीड़ा हो रही है, बच्चा बाहर आ रहा है, तब पति ने समीप के दुकानदारों से मदद मांगी, उन्होंने जनपद अध्यक्ष श्री रवि चौधरी का मोबाइल नंबर देकर उनसे मदद मांगने को कहा, श्याम ने जनपद अध्यक्ष को फोन पर अपनी स्थिति बताकर तुरंत सहायता प्रदान करने का अनुरोध किया।

इंडेक्स मेडिकल कॉलेज में देहदानी को गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर मध्यप्रदेश में अंगदान और देहदान करने वाले व्यक्तियों को गार्ड ऑफ ऑनर के साथ उनका सम्मान किया जाता है। ऐसा ही प्रसंग इंडेक्स मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर इंदौर में देखने को मिला। जब एक 72 वर्षीय वृद्ध महिला के निधन के बाद परिजनों ने चिकित्सा शिक्षा और मानवता के लिए देहदान कर एक प्रेरणादायक कार्य किया। शहर की 72 वर्षीय वरिष्ठ विनिता खांडेकर निवासी 804 मिलन हाइट्स इंदौर का देहांत हो गया था। उनके पुत्र राहुल खांडेकर और पति राजाराम खांडेकर की उपस्थिति में मानव सेवा के उद्देश्य से परिजनों ने चिकित्सा शिक्षा और मानवता के लिए देहदान करने का निर्णय लिया। देहदान संस्था मुस्कान ग्रुप द्वारा सभी कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई और शव को इंडेक्स मेडिकल कॉलेज के देहदान अधिकारी राज गोयल को सौंपा गया।

सिम्बायोसिस लॉ एडमिशन टेस्ट 30 तक भरे जाएंगे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सिम्बायोसिस लॉ एडमिशन टेस्ट 2026 के ऐप्लीकेशन्स 30 नवम्बर को बंद हो रहे हैं। ऐसे में वे उम्मीदवार जो लीगल प्रोफेशनल बनने की इच्छा रखते हैं, उन्हें सलाह दी जाती है कि जल्द से जल्द इस एप्लीकेशन प्रक्रिया को पूरा कर लें। परीक्षा की 20 दिसम्बर और 28 दिसम्बर हैं। सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड युनिवर्सिटी) द्वारा संचालित SLAT के ज़रिए उम्मीदवार पुणे, नोएडा, हैदराबाद और नागपुर में स्थित सिम्बायोसिस लॉ स्कूलों के प्रीमियर अंडरग्रेजुएट लॉ प्रोग्राम में प्रवेश पा सकते हैं।

आरटीआई के माध्यम से मध्यप्रदेश सरकार का भ्रष्ट चेहरा उजागर करेंगे पुनीत टंडन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सूचना अधिकार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष पुनीत टंडन एक अल्प प्रवास पर आज इंदौर पहुँचे। इस अवसर पर इंदौर जिला सूचना अधिकार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष गिरीश जोशी का श्री टंडन ने गिरीश जोशी को पुनः सूचना अधिकार प्रकोष्ठ क्या जिला अध्यक्ष नियुक्त होने पर सम्मान किया। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस सेवा दल के कार्यवाहक अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल, राहुल गांधी सद्भावना प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अशोक नालिया तथा अखिल

भारतीय कांग्रेस कमेटी के राहुल गांधी सद्भावना प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय महामंत्री दीपक रानू मनोरिया उपस्थित रहे और सभी ने श्री टंडन का स्वागत किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री पुनीत टंडन ने कहा कि मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी सरकार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार चरम पर है और कांग्रेस पार्टी आरटीआई के माध्यम से इस भ्रष्टाचार के हर परत को उजागर करेगी। उन्होंने कहा कि सूचना का अधिकार आम नागरिक का सशक्त हथियार है और इसके माध्यम से सरकार की पारदर्शिता तथा जवाबदेही सुनिश्चित की जा सकती है। टंडन ने बताया कि सूचना अधिकार प्रकोष्ठ राज्यभर में मजबूत नेटवर्क बनाकर जनहित से जुड़े मुद्दों पर जानकारी प्राप्त करेगा, भ्रष्टाचार को उजागर करेगा तथा जनता के अधिकारों की रक्षा हेतु प्रभावी अभियान चलाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया कि वे आरटीआई का वैज्ञानिक और मजबूत उपयोग कर प्रशासनिक अनियमितताओं तथा सरकारी तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार को सामने लाएँ।

अब डाकघर में भी जमा होंगे बिजली बिल इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक में भुगतान शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं को डाकघरों और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के अधिकृत प्रतिनिधि (डाकिये) के माध्यम से बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के बिजली बिल भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराई गयी है। अब बिजली उपभोक्ताओं को यह सरल और सुलभ भुगतान की सुविधा बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के नजदीकी डाकघर में मिलना शुरू हो गई है। डिजिटल और सुरक्षित तरीके से डाकघर के माध्यम से बिल भुगतान की सुविधा शहरी क्षेत्रों के साथ ही ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में भी उपलब्ध है। मध्य क्षेत्र विद्युत

वितरण कंपनी द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को प्रदत्त सेवाओं का विस्तार करते हुए बिल भुगतान की व्यवस्था को और अधिक सरल एवं सुलभ बनाते हुए इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से बिजली बिल भुगतान की विशेष सुविधा उपलब्ध कराने के लिए एक एमओयू साइन किया गया है। डाकिया/ग्रामीण डाक सेवक की सहायता से भी अपने घर के पास या घर बैठे ही आसानी से बिजली बिल का भुगतान कर सकेंगे।

नाले के पास मिला नवजात का शव!

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रदेश के इंदौर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक नाले के पास एक नवजात शिशु का शव मिला, जिसकी हालत इतनी खराब थी कि देखने वालों की रूह कांप गई। आधे से अधिक शरीर जानवरों ने नोच लिया था। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए पूरे घटनाक्रम की जांच में जुट गई है। दरअसल, थाना आजाद नगर क्षेत्र में स्थित मुसाखेड़ी चौराहे पर निर्माणाधीन ब्रिज के नीचे नवजात शिशु का शव मिलने से हड़कंप मच गया। जैसे ही लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी, टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई और पूरे इलाके को घेर लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शव नाले के पास पड़ा था और उसकी हालत बेहद दर्दनाक थी। नवजात के शरीर का आधे से ज्यादा हिस्सा जानवर खा चुके थे। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि शिशु का शव कई घंटों से वहां पड़ा हुआ था।

पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में लग रहा है कि बच्चे को जन्म के कुछ ही मिनटों बाद यहां फेंक दिया गया होगा। इस वजह से शव

को जानवरों ने नुकसान पहुंचा दिया। हालांकि, वास्तविक स्थिति पोस्टमार्टम के बाद ही साफ होगी। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने नवजात के शव को कब्जे में लेकर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और हर पहलू को ध्यान में रखते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि नवजात को यहां किसने और कब छोड़ा पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि यह मामला परित्याग है या इसके पीछे कोई और गंभीर अपराध छुपा है।

अपराधों पर लगाम कसने के लिए लगेंगी शिकायत पेटियां, कैमरे भी लगाएंगे

मोहल्ला मीटिंग में रहवासियों ने रूबरू हुए अधिकारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पुलिस कमिश्नर के निर्देशन में सामुदायिक पुलिसिंग के अंतर्गत लगातार मोहल्ला बैठकों के माध्यम से आम लोगों की समस्याओं को सुना जाकर उनका त्वरित निराकरण किया जा रहा है इसी तारतम्य में छत्रीपुरा थाना क्षेत्र के छत्रीबाग राजपूत बगीची में मोहल्ला मीटिंग हुई, जिसमें डीसीपी जोन 4 आनंद कलादगी, एसीपी सराफी हेमन्त चौहान तथा थाना प्रभारी छत्रीपुरा संजीव श्रीवास्तव सहित अन्य पुलिसकर्मी और स्टाफ मौजूद था। वहीं क्षेत्र के लगभग 150 पुरुष - महिलाएं और बच्चे शामिल हुए। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने आम लोगों को सुरक्षित यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा से अवगत कराया, वहीं अपराधों पर नियंत्रण और निगरानी बढ़ाने के उद्देश्य से कैमरे लगाने पर जोर दिया गया। इसके अलावा नागरिकों की समस्याओं और सुझावों को आसानी से पुलिस तक पहुंचाने के लिए क्षेत्रवार शिकायत पेटी स्थापित करने पर भी चर्चा हुई। बैठक में मादक पदार्थ के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता, छोटे बच्चों को बेट टच - गुड टच की जानकारी देने के लिए विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से नागरिकों की समस्याओं और शिकायतों को सुना और उनके त्वरित समाधान का आश्वासन दिया।

भागीरथपुरा में शिकायत पेटी से मिली 24 पर्ची डीसीपी जोन 3 द्वारा बाणगंगा के भागीरथपुरा अंतर्गत चार गिरीकुवा पर मोहल्ला मीटिंग ली गई। बैठक में बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थित रही। महिलाओं ने खुलकर समस्याओं को रखा। वर्गी शिकायत पेटी में भी गोपनीय रूप से शिकायत रखने को कहा जिसमें 24 शिकायते प्राप्त हुई।

हुकमचंद मिल मजदूरों के भगतान के लिए नई समिति गठित

रिटायर्ड जज करेंगे विवादित क्लेम मामलों के दस्तावेजों का वैरिफिकेशन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 34 साल से बंद हुकमचंद मिल के चार सौ मजदूरों के बचे हुए विवादित और थर्ड पार्टी क्लेम मामलों से जुड़े दस्तावेजों के वैरिफिकेशन के लिए हाई कोर्ट ने एक सदस्यीय समिति गठित की है।

मामले में बुधवार को हाई कोर्ट इंदौर में सिंगल बेंच के समक्ष सुनवाई हुई। मजदूर यूनियन की ओर से कोर्ट को बताया गया कि अब भी 400 से ज्यादा मजदूरों के क्लेम केस पेंडिंग हैं। इनका भुगतान नहीं हो पा रहा है क्योंकि पूर्व में गठित कमेटी में शामिल अधिकारी प्रशासनिक व्यस्तता के चलते नियमित बैठक नहीं कर पाते हैं।

इस पर कोर्ट ने पूर्व में गठित समिति भंग करते हुए रिटायर्ड जीएस संगर की अध्यक्षता में नई समिति गठित कर दी। यह समिति बचे हुए क्लेम केसों के दस्तावेजों का वैरिफिकेशन करेगी और उन्हें परिसमापक को भेजेगी ताकि भुगतान की प्रोसेस आगे बढ़ सके। 12 दिसंबर 1991 को हुकमचंद मिल प्रबंधन ने बगैर किसी सूचना के मिल बंद कर दिया था। उस दौरान मिल में 5895 मजदूर काम करते थे। मिल बंद होने के बाद से मिल मजदूर और उनके स्वजन अपने हक के लिए भटक रहे थे।

स्विमिंग कोच छठवीं मंजिल से कूदी, मौत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ●इंदौर के राऊ इलाके के बायपास पर स्थित पलाश परिसर में बुधवार रात एक महिला स्विमिंग कोच ने आत्महत्या कर ली। उसने परिसर की छठी मंजिल से कूदकर अपनी जान दे दी। स्थानीय लोगों ने जब नीचे शव देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। महिला पिछले 10 साल से एक युवक के साथ लिव-इन में रह रही थी। पुलिस ने देर रात युवक को हिरासत में ले लिया। राऊ पुलिस के अनुसार, घटना पलाश परिसर की है। रात करीब 1 बजे निकिता कजरिया (33) ने

12.60 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ पकड़ाया बदमाश

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● क्राइम ब्रांच की टीम ने 12.60 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक बदमाश को पकड़ा। ब्राउन शुगर की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 1 लाख 30 हजार रुपए है। आरोपी पर पूर्व में भी लगभग आधा दर्जन अपराध दर्ज हैं। वह 10वीं तक पढ़ा हुआ है और दिहाड़ी मजदूरी करता है। टीम उससे पूछताछ कर रही है।

एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि क्राइम ब्रांच की टीम को मुखबिर से सूचना मिली। जिसके बाद टीम पुरानी राजकुमार सब्जी मंडी शिवाजी नगर पहुंची। जहां उन्हें एक संदिग्ध व्यक्ति दिखा। टीम ने उसकी घेराबंदी की और उसे पकड़ा, जिस पर वह घबरा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम मयूर उर्फ बंटी पचौरी निवासी गांधी नगर इंदौर का होना बताया। उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 12.60 ग्राम ब्राउन शुगर और एक बाइक जब्त की। आरोपी पर कायमी कर उसे गिरफ्तार किया गया। टीम की प्रारंभिक पूछताछ में उसने बताया कि उसने 10वीं तक पढ़ाई की है और दिहाड़ी मजदूरी करता है। ज्यादा पैसा कमाने के लिए वह ब्राउन शुगर इंदौर में नशा करने वालों को बेचता था। बता दें कि क्राइम ब्रांच की टीम लगातार अवैध मादक पदार्थों को बेचने वालों पर कार्रवाई कर रही है।

कंपकंपाती ठंड : रात का पारा पहुंचा 6.9 डिग्री

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश में कड़ाके की ठंड का दौर जारी है। प्रदेश के कई शहरों में रात का तापमान तेजी से गिरकर 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात राजगढ़ प्रदेश में सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, आर्थिक राजधानी इंदौर में भी पारे में भारी गिरावट दर्ज की गई है।

इंदौर और भोपाल के तापमान में फिर से गिरावट देखने को मिली है। इंदौर में ठंड का असर अब साफ महसूस होने लगा है। बुधवार को यहां दिन का अधिकतम तापमान 26.2 डिग्री रहा, जबकि मंगलवार रात का न्यूनतम तापमान लुढ़ककर 6.9 डिग्री सेल्सियस पर आ गया, जिससे रात में तेज सर्दी का अहसास हुआ।

प्रदेश में आमतौर पर नवंबर में ठंड के साथ-साथ बारिश का ट्रेंड पिछले 10 साल से देखा जा रहा है। इस बार भी मौसम का मिजाज कुछ वैसा ही है, लेकिन खास बात यह है कि इस बार नवंबर के पहले सप्ताह में

ही तेज ठंड शुरू हो गई है। वहीं, बारिश के आंकड़ों पर नजर डालें तो अक्टूबर का महीना उम्मीद से बेहतर रहा। अक्टूबर में औसत 2.8 इंच बारिश हुई, जो सामान्य (1.3 इंच) से 121% ज्यादा है।

इंदौर में नवंबर माह में ठंड का असर खासा रहता है। आमतौर पर दूसरे सप्ताह से पारा गिरता है और रात का तापमान 10 से 12 डिग्री के बीच रहता है। मौसम के इतिहास की बात करें तो 25 नवंबर 1938 को इंदौर का पारा 5.6 डिग्री सेल्सियस तक गिर चुका है। वर्तमान में रात का पारा 6.9 डिग्री तक पहुंचने से कयास लगाए जा रहे हैं कि इस बार सर्दी पुराने रिकॉर्ड के करीब पहुंच सकती है।

पति को वीडियो कॉल कर पत्नी ने लगाई फांसी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एरोड्रम क्षेत्र में रहने वाली 24 साल की महिला ने बुधवार शाम आत्महत्या कर ली। फांसी लगाने से पहले उसने अपने पति को वीडियो कॉल किया था। पति ने कॉल काटकर तुरंत अपने मालिक को जानकारी दी। मालिक ने एक परिचित को मौके पर भेजा, लेकिन तब तक महिला की मौत हो चुकी थी। बताया जा रहा है कि परिवार में लगातार हो रही मौतों के कारण वह लंबे समय से डिप्रेशन में थी। फिलहाल पुलिस जांच कर रही है। एरोड्रम पुलिस के मुताबिक, मुस्कान खेडेकर (24) निवासी आराधना नगर ने बुधवार शाम करीब 7 बजे फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। फांसी लगाने से कुछ देर पहले उसने अपने पति शिवा को वीडियो कॉल किया। उस समय शिवा तीन इमली इलाके में स्थित एक गोदाम पर था। कॉल के दौरान मुस्कान ने आवाज बंद कर दी और फंदा लगाने लगी। यह देखकर शिवा ने तुरंत अपने मालिक को फोन किया, जिसके बाद मालिक ने अपने परिचित को मौके पर भेजा। मुस्कान और शिवा की शादी को दो साल हुए थे। मुस्कान की पहले भी शादी हो चुकी थी, लेकिन उसके पहले पति की एक सड़क हादसे में मौत हो गई थी। मुस्कान का पांच साल का एक बच्चा भी है, जिसे उसने आत्महत्या से पहले सुला दिया था।

22 नवंबर से बदल रहा 3 ट्रेनों का टाइम, 40 दिन तक झांसी नहीं जाएगी बरेली-इंदौर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल ने इंदौर-देवास-उज्जैन रेल खंड पर ट्रेनों के समय में सुधार और सुचारु संचालन सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। इसके तहत, इंदौर से चलने वाली तीन प्रमुख ट्रेनों के आगमन और प्रस्थान समय में आंशिक परिवर्तन किया गया है। वहीं, उत्तर मध्य रेलवे के झांसी स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्य के कारण बरेली-इंदौर एक्सप्रेस के मार्ग में परिवर्तन किया गया है, जिसका असर यात्रियों पर पड़ेगा।

रतलाम मंडल के अनुसार, इंदौर से चलने वाली निम्नलिखित तीन ट्रेनों के समय में 22 नवंबर 2025 से (साप्ताहिक ट्रेन के लिए 25 नवंबर से) अगले आदेश तक बदलाव किया गया है: गाड़ी संख्या 19343 - इंदौर-नागपुर पंचवेली एक्सप्रेस (प्रतिदिन): यह ट्रेन अब इंदौर से दोपहर 13:15 बजे प्रस्थान करेगी। गाड़ी संख्या 20917 - इंदौर-पुरी हमसफर एक्सप्रेस (साप्ताहिक): यह ट्रेन 25 नवंबर 2025 से इंदौर से दोपहर 15:05 बजे चलेगी। देवास स्टेशन पर इसका आगमन 15:31 बजे और प्रस्थान 15:33 बजे होगा। गाड़ी संख्या 22191 - इंदौर-जबलपुर एक्सप्रेस (प्रतिदिन): यह ट्रेन 22 नवंबर 2025 से इंदौर से शाम 19:35 बजे रवाना होगी।

कर्म के देवता शनि ग्रह फिर हुए वक्री, व्यवस्थाएं होगी मजबूत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सौरमंडल के प्रमुख ग्रह शनिदेव इन दिनों वक्री चल रहे हैं। विगत 14 जुलाई से शनि मीन राशि में रहते हुए वक्री स्थिति में है, लेकिन 138 दिनों के बाद आगामी 28 नवंबर से शनिदेव इसी राशि में वापस मार्गी होने जा रहे हैं। शनि के मार्गी होने से कई तरह की व्यवस्थाओं में बदलाव होगा। ज्योतिषियों का कहना है कि शनि न्याय के कारक है ऐसे में न्याय व्यवस्था में कसावट आएगी, साथ ही जिन राशियों पर साढ़े साती और ढैया के प्रभाव है उनकी परेशानी बढ़ सकती है, तो कुछ राशियों के लिए लाभकारी रहेगा। ब्रह्मशक्ति ज्योतिष संस्थान

के पं. जगदीश शर्मा का कहना है कि शनि अभी उल्टी चाल में चल रहे हैं, जो 28 नवंबर से सीधी चाल में आ जाएंगे। ग्रह जब सीधी चाल में होते हैं तब उसका असर ज्यादा सकारात्मक होता है। शनि न्याय के देवता है, इसलिए शनि के मार्गी होने से न्याय व्यवस्था मजबूत होगी। जब भी कोई गृह वक्री या मार्गी होता है, तब मौसम ग्रह या मागी होता दे देता रहा इस लिहाज से मौसमी बदलाव भी इस दौरान दिखाई दे सकता है। शनि जुलाई माह में वक्री हुए थे, जो 138 दिनों के बाद मार्गी होंगे।

इन राशियों के लिए शुभ रहेगा प्रभाव

शनि का यह मार्गी होना कई राशियों के लिए शुभ और फलदायी साबित होगा। जिन राशि वालों के लिए शनि का प्रभाव शुभ रहेगा, उनमें वृषभ, कर्क, तुला, धनु, मकर और मीन राशि शामिल हैं। इन जातकों के लिए उन्नति के द्वार खुलेंगे, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और नौकरी, व्यापार व करियर में तरक्की मिल सकती है। शनि के सीधी चाल में आने से इन राशियों को विशेष लाभ प्राप्त होने की संभावना है।

इन पांच राशियों को रहना होगा सतर्क

एस्ट्रोलॉजर, न्यूमेरोलॉजिस्ट के मुताबिक, शनि के मार्गी होने से कुछ राशि वालों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

साढ़े साती: वर्तमान में मेष, कुंभ, और मीन राशि के जातकों पर शनि की साढ़े साती चल रही है।

ढैया: सिंह और धनु राशि के जातकों पर ढैया का प्रभाव है।

इन पांच राशि के जातकों को स्वास्थ्य संबंधी, मानसिक और आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, उन्हें विशेष रूप से सतर्क और सावधानी बरतना होगा।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

इंदौर, गुरुवार 20 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

श्री पार्श्व नाथ पंच कल्याणक पूजन के साथ उपधान तप के मालारोपण महोत्सव का शुभारंभ

इंदौर ● दलाल बाग स्थित नवरत्न नगरी पर गत 2 अक्टूबर से चल रहे 47 दिवसीय उपधान तप के तीन दिवसीय मालारोपण महोत्सव का शुभारंभ बुधवार को सुबह पीपली बाजार उपाश्रय पर श्री पार्श्वनाथ पंच कल्याणक पूजन के साथ हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में समाज बंधुओं ने तपस्वियों की साधना की सफलता के लिए प्रार्थना की। गुरुवार को नवकारसी के बाद पीपली बाजार उपाश्रय से भव्य वरघोडा बैंड-बाजों एवं परंपरागत वाद्य यंत्रों की सुर एवं स्वर लहरियों के बीच प्रारंभ होकर नवरत्न नगरी, दलाल बाग पहुंचेगा। अनेक आकर्षणों से सुसज्जित इस जुलूस में देशभर से आए 133 तपस्वी तो शामिल रहेंगे ही, जैनाचार्य प.पू. विश्वरत्न सागर म.सा., आचार्य प.पू. मृदुरत्न सागर म.सा. सहित साधु-साध्वी-भगवंत भी शामिल होंगे।

धर्म, संस्कृति और साधना के मार्ग से हमारी नजर हट गई, तो दुर्घटना टालना संभव नहीं

इंदौर ● परमात्मा ने मनुष्य जीवन देकर हमें बहुत कुछ दिया है, लेकिन यदि संयम, साधना और सत्य रुपी रजोहरण हमारे पास नहीं है तो समझ लेना कि हम हारने वाले हैं। सड़कों पर लगे होर्डिंग्स पर लिखा होता है- 'नजर हटी-दुर्घटना घटी'। हमारे जीवन में भी यही सूत्र लागू होता है कि यदि धर्म, संस्कृति और साधना-संयम के मार्ग से हमारी नजर हट गई तो दुर्घटना को टालना संभव नहीं होगा। गाड़ी, बंगला, धन, वैभव और भौतिक संसार की चकाचौंध की ओर नजर रहेगी तो जीवन भटक जाएगा। दीक्षा का मार्ग ही हमें मोक्ष की शीर्ष मंजिल तक पहुंचाएगा।

इंदिरा गांधी को याद किया

इंदौर ● सख्त फैसले लेने वाली देश की पहली महिला प्रधानमंत्री 1964 में पिता की मृत्यु के बाद राज्यसभा पहुंच कर सूचना प्रसारण मंत्री 1971 में पाकिस्तान को युद्ध में धूल चटाई और बांग्लादेश नया देश बनाया 1980 में फिर पीएम बनने वाली आयरन लेडी श्रीमती इंदिरा गांधी की 108 वीं जयंती पर सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश भार्गव ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

प्रदेश में सिविल जज की भर्ती परीक्षा पर विवाद, 121 आरक्षित पदों पर एक भी आदिवासी का सिलेक्शन क्यों नहीं हुआ : कांग्रेस

भोपाल (एजेंसी) ● मप्र में सिविल जज परीक्षा 2022 को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सिविल जज के कुल 191 पदों में से 121 पद आदिवासी का चयन न होने पर कांग्रेस नेताओं ने आपत्ति जताई है। आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और झाबुआ विधायक डॉ विक्रांत भूरिया ने प्रदेश आदिवासी प्रदेश अध्यक्ष रामू टेकाम के साथ भोपाल प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। भूरिया ने इस भर्ती परीक्षा को आरक्षित वर्ग के लिए दोबारा कराकर आदिवासी उम्मीदवारों को शामिल करने की मांग की।

विक्रांत भूरिया हमारी आपत्ति साफ है कि आदिवासियों को धीरे-धीरे सिस्टम से बाहर किया जा रहा है। उनके लिए सिस्टम के दरवाजे बंद किए जा रहे हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण सिविल जज परीक्षा 2022 के परिणाम हैं। उनमें 191 पोस्ट थीं उसमें से 121 पद आदिवासियों के लिए आरक्षित थीं। इन 121 पदों पर एक भी आदिवासी का चयन नहीं हुआ। मतलब जिस राज्य में पूरे देश में सबसे ज्यादा आदिवासी हैं। उस राज्य में इन्हें एक भी आदिवासी सिविल जज के लिए पात्र आदिवासी उम्मीदवार नहीं

मिला। ये अपने आप में सरकार के मुंह पर बहुत बड़ा तमाचा है।

परीक्षा में घुसने की प्रक्रिया कितनी जटिल कर दी गई है। आपने अगर पद रखे हैं तो उनका क्या मतलब रह जाता है। ये तो मजाक है कि 121 पोस्ट पर एक भी एलिजिबल कैंडिडेट नहीं होगा? जानबूझकर प्रक्रिया को जटिल बना रहे हैं। आरक्षण का उद्देश्य था कि उनके लिए सुविधा हो। वो लोग सिस्टम का हिस्सा बन सकें, लेकिन उन्होंने प्रक्रिया को ही पूरा हाईजैक कर लिया है। उनको प्रक्रिया में ही बाहर कर रहे हैं ताकि कोई उनके ऊपर उंगली न उठा सके।

हाईकोर्ट की निगरानी में हो रही है, लेकिन जो इनकी समिति है उसमें आदिवासियों का प्रतिनिधत्व ही नहीं हैं। हम यही लड़ाई लड़ रहे कि जो इस परीक्षा का सिलेबस बनाते हैं जो प्रक्रिया का हिस्सा हैं उसमें आदिवासियों, दलितों का प्रतिनिधित्व क्यों नहीं हो रहा। अगर 121 पदों में से कोई आदिवासी सिलेक्ट नहीं हो रहा तो सरकार को शर्म आना चाहिए कि आदिवासियों की पढ़ाई के लिए क्या कर रहे हैं?

सरकार जनजातीय गौरव दिवस का प्रचार कर रही है लेकिन जब तक आप उन लोगों को रोजगार नहीं दिला सकते, हक नहीं दिला सकते, तब तक जनजातीय गौरव दिवस का क्या औचित्य रह जाता है?

हमारी वकीलों से बातचीत चल रही है इसमें हम कैसे इंटरवीन कर सकते हैं, लेकिन इसमें सबसे बड़ी जवाबदारी सरकार की है। अगर उनकी मंशा है तो वो नियम बदलें। ताकि सही तरीके से सही लोग सही जगह पहुंच पाएं। एक सिविल जज से डिस्ट्रिक्ट जज बनने में 15 से 20 साल लगते हैं। मतलब हमारा व्यक्ति तो 15 से 20 साल बाहर हो गया। तीन साल से यह लगातार हो रहा है। खास बात ये है कि चौथे साल में इन भर्तियों को ये ओपन ही कर देंगे।

मुख्य आपत्तियां ये हैं कि आपने प्रक्रिया को जटिल क्यों बनाया? मेन्स में सबको बाहर कर रहे हैं। कोई एक भी सिलेक्ट नहीं हो रहा तो क्या आपने आदिवासियों को कोई कोचिंग कराई क्या? सरकार का काम क्या सिर्फ आदिवासियों के वोट लेना ही है। आप उनकी मदद ही नहीं कर रहे। पद खाली हैं लेकिन ये नियम हैं कि 4 साल तक बैकलॉग के पदों पर भर्तियां नहीं होतीं तो सरकार के पास यह अधिकार होता है कि वो उन पदों को नॉट्स फाउंड सुटेबल कैंडिडेट्स (हृस्नस्) करके ओपन कैटेगरी में ला सकते हैं। ये ओपन कैटेगरी घोषित करने के लिए सबसे बड़ा षड्यंत्र है। मेरा प्रेस कॉन्फ्रेंस करने का उद्देश्य यही था कि सबसे पहले प्रदेश की जनता को मैं ये बात बताऊं। अब राहुल जी और खरगे जी को भी इससे अवगत कराउंगा।

समाधान योजना उपभोक्ता लाभ दिलाने में गंभीरता से प्रयास हो: सिंह

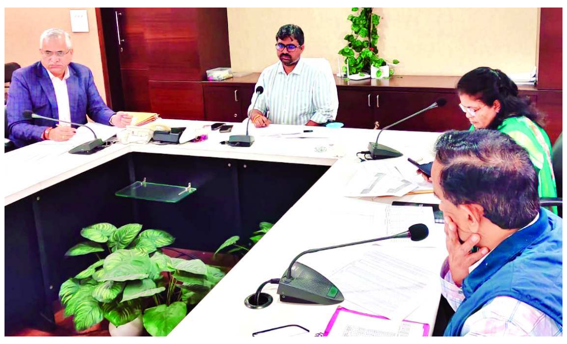

बिजली कंपनी के एमडी ने ली अधिकारियों की मिटिंग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) अनूप कुमार सिंह ने बुधवार को वरिष्ठ अधिकारियों की मिटिंग ली। उन्होंने कहा कि ऊर्जा विभाग द्वारा लागू समाधान योजना का प्रभावी क्रियान्वयन होना चाहिए। इस बारे में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सिंह ने कहा कि बुधवार तक 25600 उपभोक्ता योजना लाभ ले चुके हैं, लेकिन यह संख्या तुलनात्मक रूप से कम है। उन्होंने सभी 15 अधीक्षण यंत्रियों से गंभीरता रखकर प्रत्येक पात्र को समाधान योजना लाभ दिलाने के निर्देश दिए। वाणिज्यिक शाखा प्रभारी को दैनिक समीक्षा के आदेश दिए। सिंह ने आरडीएसएस, एसएसटीडी अंतर्गत कार्यों को समय पर पूरा करने के, अवरोध आने पर प्रशासन से समन्वय कर हल निकालने को कहा। उन्होंने रूफ टॉप सोलर नेट मीटर से संबंधित आवेदनों के समय पर समाधान एवं सब्सिडी समय पर मिलने के संबंध में पर्यवेक्षण एवं संयंत्र लगाने वाले उपभोक्ताओं से सतत संपर्कित रहने एवं फीडबैक लेने के भी निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य अभियंता एसएल करवाड़िया, कामेश श्रीवास्तव, श्रीमती सुषमा गंगराड़े, अंतिम जैन, सीए ठकार आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

रैजागला शहादत माटी कलश यात्रा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के महासचिव सदाशिव यादव काका ने बताया कि अहीर रेजिमेंट की मांग को लेकर 13, अप्रैल से रैजागला शहादत माटी कलश यात्रा संयोजक दिनेश यादव के नेतृत्व में देश के सभी जिलों से निकल कर 18, नवंबर को जंतर मंतर दिल्ली में शहीद वीरांगना एवं परिवार को सम्मानित कर यात्रा का समापन हुआ। समापन समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ स्वप्न कुमार घोष, शताब्दी समारोह राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्य प्रकाश सिंह यादव,रेजगाला युद्ध के जीवित योद्धा रामचंद्र यादव,अहीर रेजिमेंट राष्ट्रीय संयोजक बिरगेडियर प्रदीप यदु,सह संयोजक राव रमेश पायलट, पवित्र कलश यात्रा राष्ट्रीय कार्य कारी अध्यक्ष श्याम सिंह यादव,सोम प्रकाश यादव,मध्य प्रदेश पुर्व मंत्री श्रीमती ललिता यादव,मध्य प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव, फिल्म अभिनेता रवि यादव, राष्ट्रीय महासचिव बलबीर सिंह यादव, महिला प्रकोष्ठ राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू यदू, राष्ट्रीय कानूनी सलाहकार एडवोकेट राजेंद्र सिंह यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गोविंद भाई कांगड़, डाक्टर राधा कृष्णन, चौधरी जगराम सिंह, राष्ट्रीय महासचिव मनोज सिंह यादव,सम्भाग अध्यक्ष सुभाष यादव, युवा प्रदेश अध्यक्ष पुष्पेन्द्र यादव, नितिन यादव एवं आसाम, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, सहित सभी राज्यों के प्रभारी, अध्यक्ष उपस्थित रहे।

औषधीय फसलों की खेती पर प्रदेश सरकार दे रही 50% तक भारी सब्सिडी

भोपाल (एजेंसी) ● औषधीय फसलों की खेती पर भारी मदद, मध्यप्रदेश सरकार दे रही 50% तक भारी सब्सिडी - मध्यप्रदेश औषधीय फसलों के उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य है। प्रदेश में 46 हजार 837 हैक्टेयर क्षेत्र में औषधीय फसलों ईसबगोल, सफेद मूसली, कोलियस व अन्य फसलों की खेती की जा रही है। वर्ष 2024-25 में प्रदेश में लगभग सवा लाख मीट्रिक टन औषधीय फसलों का उत्पादन हुआ है। देश और विदेश में औषधीय फसलों की बढ़ती मांग के कारण किसानों का भी आकर्षण इन फसलों के उत्पादन की ओर बढ़ा है। प्रदेश में वर्ष 2022-23 में 44 हजार 324 हैक्टेयर में औषधीय फसलों की बोनी की गई थी । जो 2024-25 में बढ़कर 46 हजार 837 हैक्टेयर हो गया यानिकी 2 हजार 512 हैक्टेयर की वृद्धि हुई है। इन फसलों का वर्ष 2021-22 में उत्पादन एक लाख 16 हजार 848 मीट्रिक टन था जो 2024-25 में बढ़कर एक लाख 24 हजार 199 मीट्रिक टन हो गया है। उल्लेखनीय है कि भारत में औषधीय और सुगंधित फसलों के उत्पादन में मध्यप्रदेश की सर्वाधिक भागीदारी है। एक अनुमान के अनुसार देश में औषधीय फसलों का 44 प्रतिशत हिस्सा मध्यप्रदेश में उत्पादित होता है।

राज्य सरकार देती है 50% तक भारी सब्सिडी

राज्य सरकार औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को अनुदान और अन्य प्रोत्साहन दे रही है। षधीय पौधों की खेती से किसानों की आय बढ़ाने और रोजगार के अवसर पैदा करने के प्रयास

किए जा रहे हैं। राज्य सरकार किसानों को औषधीय पौधों की खेती के लिए 20 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक का अनुदान प्रदान करती है। सरकार पारंपरिक फसलों के अलावा औषधीय पौधों जैसी वाणिज्यिक फसलों पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जिससे किसानों को उनकी उपज का अच्छा मूल्य मिल सके। औषधीय पौधों की खेती और संग्रह से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं

प्रदेश की प्रमुख औषधीय फसलें

मध्यप्रदेश में प्रमुख फसलें अश्वगंधा, सफेद मूसली, गिलोय, तुलसी और कोलियस जैसी कई औषधीय फसलों का उत्पादन होता है। प्रदेश में 13 हजार हैक्टेयर में ईसवगोल, 6 हजार 626 हैक्टेयर अश्वगंधा, 2 हजार 403 हैक्टेयर में सफेद मूसली, 974 हैक्टेयर में कोलियस तथा 23 हजार 831 हैक्टेयर में अन्य औषधी फसल की बोनी की गई है। मध्यप्रदेश सरकार राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से स्वयं सहायता समूह का औषधीय पौधों की खेती आकर्षित कर रही है। राज्य सरकार द्वारा डाबर, वैद्यनाथ जैसी आयुर्वेद कम्पनियों, संजीवनी क्लिनिक में विंध्यवैली जैसे ब्रांड के माध्यम से औषधीय उत्पादन को बाजार मुहैया करा रही है।

साहित्य की सभी विधाओं से परिपूर्ण होते है दीपावली विशेषांक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● लिवा साहित्य सेवा समिती ने राजकवी भा रा तांबे सभागृह महाराष्ट्र साहित्य समिती के सभागार में 'दिवाळी अंका वर बोलू काही' का आयोजन किया गया। श्री सर्वोत्तम दिवाळी विशेषांक की सम्पादक व साहित्यकार जयश्री ताराणेकर के अध्यक्षता में अतिथी डा भाग्यश्री कामत व उदय इंगळे की उपस्थिती में आयोजन सम्पन्न हुआ। अभिजात मराठी भाषा में दिवाळी विशेषंक की 115 वर्ष की समृद्ध परंपरा है। मध्य प्रदेश में भी इस वर्ष तीन विशेषांको का प्रकाशन किया गया है।

इंदोर से श्री सर्वोत्तम, ग्वालियर से चैती दिवाळी विशेषांक व मराठी साहित्य अकादमी भोपाल से अथर्वनाद का प्रकाशन किया है। दिवाली अंका वर बोलू काही इस कार्यक्रम में दीप्ती प्रधान ने माहेर, सुषमा अवधूत द्वारा सुवासिनी, वसुधा गाडगीळ द्वारा वसुधा, कार्यक्रम संयोजक राधिका इंगळे द्वारा मुक्त आनंदघन, जया गाडगे द्वारा श्री सर्वोत्तम, अंतरा करवडे द्वारा अथर्वनाद तथा आशा वडनेरे - उत्तम कथा दिवाली विशेषांक पर चर्चा की गई।

गिरफ्तारी और पॉक्सो के बिना कोई समझौता नही, पार्षद कमलेश कालरा का नया ऑडियो सामने आया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भाजपा पार्षदों के बीच चल रहे विवाद में एक और नया ऑडियो सामने आया है। ऑडियो भाजपा पार्षद कमलेश कालरा और उनके दोस्त नरेंद्र सोनी के बीच का है। हालांकि, यह ऑडियो कब का है इसकी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन कालरा ऑडियो की पुष्टि कर रहे हैं। ऑडियो में कमलेश कालरा अपने मित्र से सिंधी भाषा में बात करते सुनाई दे रहे हैं। कालरा नरेंद्र सोनी से कह रहे हैं- मैंने जीतू यादव से कहा था कि उनके साथ समझौता तभी होगा, जब सचिन जैसवानी, आदर्श सचान, सरिता बहरानी पर कार्रवाई होगी। कालरा ने कहा- इनकी गिरफ्तारी हो और पॉक्सो लगे। इसके बिना कोई समझौता नहीं होगा। इस संबंध में विधायक गोलू शुक्ला, एकलव्य गौड़, नगराध्यक्ष सुमित मिश्रा, मनीष मामा से भी बात हुई है। वायरल हो रहे ऑडियो को लेकर कमलेश कालरा का कहना है कि यह सही है। मेरी बात हुई है। मेरे घर पर हुए हमले के दौरान सचिन, आदर्श भी थे। सरिता बहरानी और उनका बेटा भी था। इसके बावजूद इन पर पार्टी से कोई एक्शन नहीं हुआ और ना ही केस हुआ है। मैंने संगठन पर हर स्तर पर यह बात रखी है। मेरा किसी से कोई समझौता नहीं हुआ है, जब तक न्याय नहीं मिल जाता है।

ग्रैंड वेडिंग फिल्म-क्रिकेट जगत की हस्तियां करेंगी शिरकत

पलाश-स्मृति की शादी 23 नवंबर को सांगली में विवाह सूत्र में बंधेंग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● संगीतकार और फिल्म निर्देशक पलाश मुछाल भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार प्लेयर स्मृति मंधाना के साथ इसी महीने विवाह सूत्र में बंधने जा रहे हैं। दोनों के परिवारों में इस ग्रैंड वेडिंग को लेकर जबरदस्त उत्साह है। तैयारियां भी जोरों पर हैं। सूत्रों के मुताबिक स्मृति मंधाना और पलाश मुछाल की शादी 23 नवंबर को महाराष्ट्र के सांगली में होगी। हालांकि, सोशल मीडिया पर पहले 19 और 20 नवंबर को शादी और सगाई की खबरें आई थीं। करीब एक माह पहले इंदौर में एक कार्यक्रम के दौरान पलाश मुछाल ने खुद ही इस बात की घोषणा की थी। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा था- स्मृति जल्द ही इंदौर की बहू बनेंगी, क्योंकि 'इंदौर मेरे अंदर बसता है।' संयोग से उस समय महिला क्रिकेट मैच के कारण स्मृति भी इंदौर में ही थीं।

पलाश मुछाल और स्मृति मंधाना

दोनों की कुलदेवी एक, उन्हें सौंपा पहला कार्ड

यह शादी न केवल दो हस्तियों का मिलन है, बल्कि मारवाड़ी परम्पराओं का भी सम्मान है। दरअसल, मंधाना परिवार मूल रूप से राजस्थान के डीडवाना से हैं। उनकी कुलदेवी सुरल्या देवी हैं। यही कारण है कि विवाह का पहला निमंत्रण कार्ड डीडवाना स्थित उनकी कुलदेवी को भेजा गया है। मंधाना का परिवार मारवाड़ी समुदाय के माहेश्वरी समाज से आता है।

दिलचस्प बात यह है कि मंगेतर पलाश मुछाल भी माहेश्वरी समाज के हैं। उनकी कुलदेवी भी डीडवाना की सुरल्या देवी ही हैं। पलाश का परिवार भी राजस्थान से बाहर जाकर इंदौर में बस गया था। दोनों परिवारों ने अपनी जड़ों को बनाए रखा है और विवाह से पहले सबसे पहले अपनी कुलदेवी का आशीर्वाद लिया है।

वर्ल्ड कप के बाद वायरल हुई थीं तस्वीरें

पलाश और स्मृति लंबे समय से एक-दूसरे को जानते हैं। दोनों की सगाई पहले ही हो चुकी है। महिला वर्ल्ड कप फाइनल के दौरान पलाश मुंबई में मौजूद थे। टीम की जीत के बाद स्मृति और पलाश की एक तस्वीर काफी वायरल हुई थी, जिसमें दोनों ट्रॉफी के साथ खुशी का जश्न मनाते नज़र आ रहे थे।

इंदौर की बहू बनेंगी क्रिकेटर स्मृति मंधाना

फिल्म निर्देशक, संगीतकार, लेखक, अभिनेता और गायक पलाश मुछाल ने शुक्रवार को इंदौर में घोषणा की कि वे जल्द ही भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना के साथ विवाह सूत्र में बंधने जा रहे हैं। पलाश ने मुस्कुराते हुए कहा, 'स्मृति जल्द ही इंदौर की बहू बनेंगी। इंदौर मेरे अंदर बसता है।'

इंडिगो एयरलाइंस ने रीवा-इंदौर 72 सीटर विमान सेवा आम जनों के लिए जारी किए टिकट

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विंध्य से मध्य प्रदेश की वित्तीय राजधानी इंदौर, महाकाल नगरी उज्जैन तक पहुंचना अब अधिक सुगम होगा। साथ ही इंदौर के माध्यम से मुंबई, जयपुर, अहमदाबाद, बेंगलुरु, हैदराबाद सहित देश के प्रमुख शहरों तक व्यापक एयर कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी। दिसंबर में शुरू होने वाली यह सेवा क्षेत्रीय आवागमन, व्यापार, पर्यटन और अन्य गतिविधियों को महत्वपूर्ण गति प्रदान करेगी।

सामाजिक संस्था विंध्याचल सोशल ग्रुप के अध्यक्ष आर पी शर्मा सचिव दिलीप मिश्रा व मीडिया प्रभारी डॉ आर एन मिश्रा ने बताया कि इंदौर रीवा 72,ञक्र मिलने से विंध्य जनों से खुशी जाहिर की है। इसके चलने से विंध्य क्षेत्र के प्रगति के व विकास के द्वार खुल गए है। अब आने वाला समय विंध्य क्षेत्र के विकास का है। डॉ आर एन मिश्रा ने बताया कि इस विमान के मिलने सभी विंध्य वासियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उड्डुयन मंत्री राम मोहन नायडू, मुख्यमंत्री मोहन यादव मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, प्रदेश के कैबिनेट मंत्रीकैलाश विजयवर्गीय एवं इंदौर सांसद शंकर लालवानी रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा का आत्मीय आभार एवं धन्यवाद भी प्रेषित किया है। साथ विंध्याचल सोशल ग्रुप के सभी सदस्यों एवं विंध्य क्षेत्र के सभी सम्माननीय जनों को भी बधाईयां प्रेषित किया है ।

सम्पादकीय

टूटे भरोसे को जोड़ने की कोशिश, अंगदान नियमों में बदलाव से जीवन बचाने की उम्मीद को नया सहारा

दानदाताओं की कमी और बुनियादी व्यवस्था का अभाव सबसे बड़ा संकट है। समाज में अंगदान के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए सरकारी प्रयास नाकाफी साबित हो रहे हैं। अंगदान से किसी को भी नया जीवन दिया जा सकता है, इसलिए इसे महादान कहा जाता है। यह मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। मगर भारत में अंगदान और प्रत्यारोपण की प्रक्रिया में चुनौतियां भी कम नहीं हैं। दानदाताओं की कमी और बुनियादी व्यवस्था का अभाव सबसे बड़ा संकट है। समाज में अंगदान के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए सरकारी प्रयास नाकाफी साबित हो रहे हैं। दूसरी ओर, अंगदान की वैधता और गैर वैधता को लेकर कानून बनाया गया है, लेकिन यह देश के तमाम राज्यों में न तो समान रूप से लागू हो पाया है और न ही इस पर कड़ाई से अमल हो पा रहा है। यही वजह है कि अब सर्वोच्च न्यायालय ने अंगदान और इसके आबंटन एवं प्रत्यारोपण के लिए एक पारदर्शी और सक्षम प्रणाली बनाने के लिए केंद्र सरकार को राज्यों के परामर्श से एक राष्ट्रीय नीति तथा समान नियम बनाने के निर्देश दिए हैं। शीर्ष अदालत ने अंगदान करने वालों को शोषण और उत्पीड़न से बचाने के वास्ते हर स्तर पर पुख्ता बंदोबस्त करने के लिए भी कहा है। देश में मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 में मौजूदा समय के हिसाब से संशोधन किए गए हैं। मगर कुछ राज्यों ने इन संशोधनों पर अभी तक अमल नहीं किया है। इनमें आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और मणिपुर जैसे कई राज्य शामिल हैं। इससे स्पष्ट है कि अंगदान और प्रत्यारोपण को लेकर विभिन्न राज्यों के नियमों में समानता नहीं है। इसका खमियाजा न केवल अंगदाताओं, बल्कि प्रत्यारोपण का इंतजार करने वाले मरीजों को भी भुगतना पड़ता है। यही वजह है कि देश में इस संबंध में राष्ट्रीय नीति की जरूरत महसूस की जा रही है। शीर्ष अदालत ने नई नीति में अंग प्रत्यारोपण के लिए आदर्श आबंटन मानदंड निर्धारित करने को कहा है। साथ ही इस बात को भी रेखांकित किया है कि इसमें लिंग और जातिगत पूर्वाग्रह के मुद्दों पर ध्यान दिया जाना चाहिए और राज्यवार विसंगतियों को समाप्त करने के लिए अंगदाताओं के वास्ते एक समान नियम तय किए जाएं। अंगदान में कमी और प्रत्यारोपण से जुड़ी समस्याओं के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं।

भारत-अमेरिका एलपीजी ऊर्जा सहयोग -टैरिफ तनाव कूटनीतिक संतुलन और वैश्विक व्यापार समीकरणों का नया अध्याय

भारत वैश्विक स्तर पर भारत और अमेरिका के बीच ऊर्जा व्यापार, विशेष रूप से एलपीजी (लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस) के क्षेत्र में हुआ नया समझौता न केवल आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह भू-राजनीतिक समीकरणों, टैरिफ युद्ध, कृषि बाज़ारों में प्रवेश,और वैश्विक व्यापार नीतियों के बदलते ढांचे का संकेत भी देता है। हाल के वर्षों में भारत और अमेरिका के संबंधों में कभी सहयोग तो कभी तनाव की स्थिति देखने को मिली है,विशेषकर जब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई भारतीय उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाए थे। ऐसे माहौल में एक वर्ष के लिए किया गया यह विशाल एलपीजी आयात समझौता द्विपक्षीय रिश्तों में सकारात्मक दिशा में उठाया गया कदम माना जा रहा है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावना की गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूंकि यह समझौता भले ही भारत की कुल वार्षिक आवश्यकता का मात्र 10 प्रतिशत है,लेकिन इसकी कूटनीतिक भाषा और रणनीतिक संदेश कहीं अधिक बड़े हैं।भारत घरेलू ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा है, वहीं अमेरिका को भारतीय बाज़ार में एक नई तकनीकी और व्यावसायिक एंट्री मिल रही है। इसके साथ ही यह समझौता भविष्य में संभावित ट्रेड डील,टैरिफ घटाने, और भारत-अमेरिका संबंधों के सुधार का संकेत माना जा रहा है।

साथियों बातें अगर हम भारतीय किचन में 'मेड इन अमेरिका' एलपीजी:ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार का नया आयाम इसको समझने की करें तो,भारत दुनिया के उन देशों में अग्रणी है, जहाँ घरों में एलपीजी का उपयोग सबसे तेज़ी से बढ़ रहा है। वर्तमान में भारत के लगभग 90 प्रतिशत घरों में एलपीजी का उपयोग होता है, और इनमें से 65 प्रतिशत एलपीजी आयात की जाती है। भारत की घरेलू जरूरतों का केवल 35 प्रतिशत ही देश में उत्पादित होता है। इसलिए ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाने और आपूर्ति के जोखिम को कम करने के लिए भारत के लिए एलपीजी आयात में नए स्रोत जोड़ना रणनीतिक रूप से अनिवार्य था।अमेरिका दुनियाँ का बड़ा शेल गैस उत्पादक है और वह ऊर्जा निर्यात का विस्तार करना चाहता है। इस संदर्भ में भारत द्वारा अमेरिका से 2.2 मिलियन टन एलपीजी आयात के लिए किया गया एक-वर्षीय समझौता न केवल व्यापारिक है,बल्कि रणनीतिक भी है। यह समझौता अमेरिका को भारतीय ऊर्जा बाजार में पहली वास्तविक एंट्री देता है।अमेरिका लंबे समय से चाहता था कि भारत उसके कृषि उत्पादों, विशेष रूप से गेहूं, मक्का, सोया और डेयरी के लिए अपना बाजार खोले। लेकिन भारत कृषि क्षेत्र में संवेदनशीलता और लाखों किसानों की आजीविका को देखते हुए इसे अनुमति देने से लगातार बचता रहा है।परिणाम स्वरूप अमेरिका ने नाराज होकर भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ बढ़ा दिया।अब एलपीजी समझौता अमेरिका को 'एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण आर्थिक एंट्री' देता है, जिससे ट्रंप प्रशासन के व्यापार तनाव को कम करने और भविष्य में बड़े समझौतों की दिशा में बढ़ने की संभावना दिखती है। साथियों बात अगर हम भारत- अमेरिका एलपीजी समझौता: एक वर्ष का अनुबंध लेकिन भविष्य के व्यापक व्यापारिक सहयोग की नींव समझने की करें तो,नई डील के अनुसार भारत अमेरिका से लगभग 2.2 मिलियन टन एलपीजी खरीदेगा। यह मात्रा भारत की सालाना एलपीजी खपत का केवल 10 प्रतिशत है, लेकिन इसकी अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक और आर्थिक महत्ता इससे कहीं अधिक है।यह समझौता महत्वपूर्ण क्यों है?यह पहली बार है जब अमेरिका ऊर्जा क्षेत्र में भारत के घरेलू बाजार में सीधे प्रवेश कर रहा है।यह समझौता एक वर्ष के लिए है, लेकिन इसे बड़े, दीर्घकालिक समझौते की पृष्ठभूमि माना जा रहा है।टैरिफ विवादों के बीच यह दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली की दिशा में कदम है।इससे यह संकेत मिलता है कि भारत अब अपनी ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को पश्चिमी देशों, विशेषकर अमेरिका, के साथ अधिक सुरक्षित करना चाहता है।यह सौदा भारत और अमेरिका के बीच सहयोग के नए युग की शुरुआत कर सकता है, जहाँ अमेरिका ऊर्जा निर्यात को बढ़ाएगा और भारत आयात स्रोतों में विविधता लाएगा। इसके साथ ही भारत ने यह संदेश भी दिया है कि वह अमेरिका को अपने बाजार में प्रवेश तो देगा, लेकिन कृषि जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में नहीं।

साथियों बात अगर हम भारत का एलपीजी पर बढ़ता आयात:घरेलू ऊर्जा नीति, उज्ज्वला योजना और खाड़ी देशों से निर्भरता इसको समझना की करें तो, पिछले एक दशक में भारत में एलपीजी का उपयोग तेजी से बढ़ा है। इसका सबसे बड़ा कारण है,सरकार की प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, जिसके तहत करोड़ों गरीब परिवारों को सब्सिडी पर एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराए गए। इससे ग्रामीण और कम आय वाले परिवार भी खाना पकाने के लिए सुरक्षित ईंधन की ओर बढ़े हैं।भारत के प्रमुख एलपीजी आयात स्रोत (2024): यूएई- 81लाख टन, कतर-50 लाख टन,कुवैत, सऊदी अरब,महत्वपूर्ण सप्लायर हैँ इन आँकड़ों से स्पष्ट है कि भारत की एलपीजी सप्लाई खाड़ी क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भर है। भू-राजनीतिक तनाव, युद्ध, शिपिंग रूट में खतरों और कीमतों में उतार-चढ़ाव को देखते हुए भारत को नए आयात स्रोतों की आवश्यकता थी। ऐसे में अमेरिका से एलपीजी आयात भारत की ऊर्जा आपूर्ति सुरक्षा के लिहाज से एक मजबूत कदम है।इसके साथ ही यह समझौता संदेश देता है कि भारत, ट्रंप प्रशासन द्वारा भारतीय कृषि उत्पादों पर टैरिफ लगाए जाने के बावजूद, संबंधों को नए सिरे से संतुलित करना चाहता है।यह डील इस तथ्य को भी इंगित करती है कि अमेरिका के टैरिफ बढ़ाने के बावजूद भारत और अमेरिका दोनों एक-दूसरे के लिए बड़े बाजार बने रहेंगे। अमेरिका के लिए भारत ऊर्जा निर्यात और अन्य टेक्नोलॉजिकल डील्स का बड़ा केंद्र है।

साथियों बातें कर हम क्या एलपीजी समझौते से खुलेगा ट्रेड डील का रास्ता? मोदी-ट्रंप समीकरण में संभावित बदलाव इसको समझने की करें तो,यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या यह एलपीजी समझौता भारत और अमेरिका के बीच व्यापक ट्रेड डील का मार्ग प्रशस्त कर सकता है?विशेषज्ञों और कूटनीतिज्ञों के अनुसार, इसके तीन प्रमुख संकेत हैं:(क) विश्वास बहाली की शुरुआत-टैरिफ विवादों, कृषि बाजार तनाव और रूस से ऊर्जा खरीद पर अमेरिका की नाराजगी के बाद दोनों देशों में अविश्वास बढ़ गया था। इस एलपीजी समझौते से विश्वास की वापसी की शुरुआत मानी जा रही है।-(ख) अमेरिका को भारतीय बाजार में सीमित प्रवेश-भारतीय कृषि क्षेत्र में प्रवेश न मिल पाने की निराशा को कम करने के लिए अमेरिका को ऊर्जा क्षेत्र में प्रवेश मिला। यह रणनीतिक रूप से संतुलित नीति है।भारत ने कृषि बाज़ार नहीं खोला, लेकिन एलपीजी जैसे गैर-संवेदनशील क्षेत्र में सौदा किया।यह भविष्य के बड़े व्यापारिक समझौतों की तैयारी जैसा है।(ग) मोदी- ट्रंप समीकरण का व्यावहारिक पहलू-ट्रंप और मोदी के बीच पिछले समय में मजबूत व्यक्तिगत संबंध रहे हैं, लेकिन वैश्विक व्यापार में ट्रंप की नीति हमेशा 'अमेरिका फर्स्ट' रही है। ट्रंप ने बार-बार कहा कि भारत 'उच्च टैरिफ वाला राष्ट्र' है।अब भारत द्वारा किया गया यह समझौता संकेत देता है कि मोदी सरकार टैरिफ तनाव कम करने और अमेरिका के साथ ऊर्जा आधारित आर्थिक साझेदारी बढ़ाने की इच्छुक है।कई विश्लेषकों का मानना है कि यह डील भविष्य में टैरिफ खत्म करने, नए क्षेत्रीय सहयोग, और संभवत: नवीन फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए)-जैसी संरचना की शुरुआत कर सकती है।

साथियों बात अगर हम रूस से ऊर्जा खरीद पर अमेरिकी टैरिफ और भारत-अमेरिका व्यापार के सामान्य स्थिति लौटने की संभावना इसको समझने की करें तो अगस्त 2025 में अमेरिका ने भारत पर रूस से ऊर्जा खरीदने के कारण 25प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया, जिससे कुल टैरिफ 50 प्रतिशत तक पहुँच गया।यह कदम अमेरिका द्वारा भू-राजनीतिक दबाव बनाने का तरीका था। उन्हें उम्मीद थी कि भारत रूस से ऊर्जा आयात कम करेगा। लेकिन भारत ने स्पष्ट कर दिया कि उसकी ऊर्जा सुरक्षा प्राथमिकता है, और वह अपने हितों के अनुसार आयात नीति तय करेगा।अब एलपीजी डील के बाद यह संभव है कि:अमेरिका भारत पर लगाए गए अतिरिक्त टैरिफ कम करे,दोनों देशों के बीच सामान्य व्यापारिक संबंध बहाल हों,ऊर्जा व्यापार सहयोग नए उच्च स्तर पर पहुँचे,विशेषज्ञ मानते हैं कि यह डील एक द्विपक्षीय राजनीतिक संदेश भी है:भारत रूस से ऊर्जा खरीदता रहेगा, लेकिन साथ ही अमेरिका के साथ भी ऊर्जा संबंधों को मजबूत करने को तैयार है।भारत ने इससे वैश्विक संतुलन की अपनी नीति को दोबारा स्थापित किया है, 'बहु-आयामी व्यापार और संतुलित कूटनीति।'

अत:अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क्रि एलपीजी समझौता केवल ऊर्जा व्यापार नहीं, बल्कि द्विपक्षीय संबंधों में बदलाव का संकेत है, भारत- अमेरिका एलपीजी समझौता केवल व्यापारिक सौदा नहीं है।यह वैश्विक व्यापार संरचना टैरिफ तनावों, ऊर्जा सुरक्षा, और बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच कूटनीतिक संतुलन की कहानी भी है।यह सौदा संकेत देता है कि:भारत अपनी ऊर्जा नीति में विविधता चाहता है,अमेरिका भारतीय बाजार में प्रवेश बढ़ाना चाहता है,और दोनों देश टैरिफ तनाव को पीछे छोड़कर आगे बढ़ने को तैयार हैं।यह समझौता दीर्घकाल में भारत-अमेरिका के बीच एक मजबूत व्यापारिक साझेदारी, संभावित नई ट्रेड डील, और राहतपूर्ण टैरिफ नीति की दिशा में कदम हो सकता है। आने वाले वर्षों में यह एलपीजी सौदा ऊर्जा सहयोग, रणनीतिक संतुलन और वैश्विक व्यापारमें भारत-अमेरिका समीकरणों का महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है। लेखक - **एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी,** गोंदिया महाराष्ट्र

आंचलिक

मनावर में रपट नहीं, नदी से गुजरी शवयात्रा, 2 साल से हो रहे परेशान

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • खरगोन जिले के मनावर तहसील के अंतर्गत आने वाले एक गांव में पहाड़ी नदी पर रपट (पुलिया) न होने के कारण ग्रामीणों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में, 65 वर्षीय गेंदालाल नाबिया हागरिया के निधन के बाद उनकी शवयात्रा को भी नदी के दुर्गम रास्ते से होकर गुजरना पड़ा, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है। यह समस्या पिछले कई वर्षों से बनी हुई है, लेकिन स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया है। नदी पर रपट न होने के कारण स्कूली बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को विशेष रूप से परेशानी होती है। बारिश के मौसम में नदी का जलस्तर बढ़ने पर गांव का संपर्क पूरी तरह से कट जाता है, जिससे लोगों को दैनिक जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करने में भी कठिनाई होती है। हाल ही में हुई घटना ने ग्रामीणों के गुस्से को और भड़का दिया। गेंदालाल नाबिया हागरिया, जो रपट निर्माण की मांग को लेकर सक्रिय थे, अचानक बीमार पड़ गए। गांव तक एंबुलेंस पहुंचने का कोई सीधा रास्ता न होने के कारण उन्हें समय पर चिकित्सा सहायता नहीं मिल पाई और उनकी मृत्यु हो गई। उनके निधन के बाद, ग्रामीणों को उनकी अंतिम यात्रा भी जोखिम उठाकर नदी के रास्ते से निकालनी पड़ी।

ट्रेक्टर शोरूम चोरी का आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने 98,900 रुपये बरामद कर न्यायालय में पेश किया

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • बुरहानपुर में शिकारपुरा थाना पुलिस ने एक ट्रेक्टर शोरूम से चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए 98,900 रुपए भी बरामद किए हैं। घटना तीन दिन पहले 16 नवंबर 2025 की देर रात हुई थी। मातोश्री इंटरप्राइजेज स्कार्ट कंपनी के ट्रेक्टर शोरूम में अज्ञात चोर ने घुसकर काउंटर में रखे 98,900 रुपए चुरा लिए थे। शिकायत मिलने पर शिकारपुरा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार पाटीदार ने सभी थाना प्रभारियों को चोरी के मामलों में तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इन निर्देशों के तहत, शिकारपुरा थाना प्रभारी कमल पवार ने एक टीम गठित की। टीम ने तकनीकी और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर संदेह के घेरे में आए सुशील पिता सुधाकर तायड़े (40), निवासी रसलपुरा, तहसील रावेर, जिला जलगांव, महाराष्ट्र को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने ट्रेक्टर शोरूम से 98,900 रुपये चोरी करने का जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपी सुशील के कब्जे से चोरी की गई पूरी नकदी 98,900 रुपये बरामद कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को बुरहानपुर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जिला जेल खंडवा भेज दिया गया है।

8 दिसंबर से खंडवा होकर चलेगी मुजफ्फरपुर-हड़पसर ट्रेन

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • रेलवे ने मुजफ्फरपुर-हड़पसर (पुणे) के बीच चल रही स्पेशल ट्रेन को नियमित करने की मंजूरी दे दी है। यह सेवा 8 दिसंबर से शुरू होगी और खंडवा स्टेशन पर निर्धारित स्टापेज के साथ चलेगी। खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने कहा कि क्षेत्रवासियों की पुणे की ओर सीधी ट्रेन बढ़ाने की सालों पुरानी मांग अब पूरी हो गई है।

ट्रेन संख्या 15589 (मुजफ्फरपुर-हड़पसर)

- **प्रस्थान:** हर सोमवार शाम 7:25 बजे मुजफ्फरपुर से
- **खंडवा आगमन:** अगले दिन शाम 5:00 बजे
- **हड़पसर (पुणे) आगमन:** तीसरे दिन सुबह 6:25 बजे
- ट्रेन संख्या 15590 (हड़पसर-मुजफ्फरपुर)
- **प्रस्थान:** हर बुधवार सुबह 10:00 बजे हड़पसर से
- **खंडवा आगमन:** रात्रि 10:00 बजे
- **मुजफ्फरपुर आगमन:** अगले दिन रात 9:50 बजे

खंडवा सहित इन स्टेशनों पर होगा स्टापेज

हाजीपुर, सोनपुर, पाटलिपुत्र, दानापुर, आरा, बक्सर, दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, मानिकपुर, सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, पिपरिया, इटारसी, खंडवा, भुसावल, मनमाड, कोपरगांव, बेलापुर, अहिल्यानगर, दौंड कॉर्ड लाइन और हड़पसर।

टंट्या भील के वंशजों का प्रदर्शन, चक्काजाम किया गांव की किराना दुकानों पर बिक रही शराब

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • जननायक टंट्या मामा की जन्मभूमि ग्राम बड़ौदा अहीर में अवैध शराब बिक्री की समस्या को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। बुधवार सुबह 10 बजे पंधाना-कालंका मुख्य मार्ग पर महिलाओं ने चक्का जाम कर शराबबंदी की मांग उठाई। उनका कहना था कि गांव में अवैध शराब की बिक्री लगातार बढ़ रही है और इस पर रोक लगाने के लिए अब तक ठोस कदम नहीं उठाए गए। चक्काजाम के दौरान महिलाओं ने आरोप लगाया कि गांव में 10 से अधिक स्थानों पर अवैध शराब बिक रही है। इससे बच्चों और युवाओं पर गलत असर पड़ रहा है और गांव में सामाजिक माहौल बिगड़ रहा है। महिलाओं ने कहा कि शिवराज मामा ने गांव की सुरक्षा की जिम्मेदारी ली थी, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। शराब की वजह से महिलाएं मायके लौटने को मजबूर हो रही हैं।

कई बार शिकायतें, पर कार्रवाई नहीं

ग्रामीणों का कहना है कि वे पहले भी कई बार आवेदन दे चुके हैं, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। मजबूरी में चक्का जाम करना पड़ा। महिलाओं ने बताया कि अवैध शराब बिक्री से सामाजिक, मानसिक और आर्थिक समस्याएं बढ़ रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन और जनप्रतिनिधि ध्यान नहीं देंगे तो अगला आंदोलन और उग्र होगा।

पुलिस हरकत में आई, एक आरोपी के खिलाफ केस दर्ज

चक्काजाम की सूचना मिलते ही पंधाना थाना प्रभारी दिलीप देवड़ा टीम के साथ मौके पर पहुंचे। महिलाओं की शिकायत पर पुलिस ने मुकेश पिता दरियाव सिंह (42) निवासी बड़ौदा अहीर के खिलाफ धारा 34(1) में केस दर्ज कर अवैध शराब जब्त की।

थाना प्रभारी महिलाओं के साथ गांव के कई स्थानों पर पहुंचे, जहां अवैध शराब बिक्री की जानकारी मिली थी। पुलिस ने जांच की और चेतावनी भी दी कि अगर किसी को शराब बेचते पकड़ा गया तो सख्त कार्रवाई होगी। ग्रामीणों को आश्वासन दिया गया कि गांव में अवैध शराब के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

वन्यजीव गणना का प्रशिक्षण शुरू, कसरावद में तेंदुओं की संख्या पर विशेष ध्यान देने के निर्देश

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • अखिल भारतीय बाघ आकलन- 2026 (वन्य जीव गणना) की तैयारी के तहत खरगोन सामान्य वनमंडल के कर्मचारियों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हो गया है। यह प्रशिक्षण खरगोन और कसरावद परिक्षेत्र के वनकर्मियों को दिया जा रहा है। मास्टर ट्रेनर संजय चौहान, ओंकारसिंह डावर और पवन सोनी ने वनकर्मियों को बाघ आकलन पद्धति, सर्वेक्षण तकनीक और डाटा रिकॉर्डिंग के तरीके समझाए। प्रशिक्षण में प्रोजेक्टर का उपयोग किया गया। इसके बाद सभी कर्मचारियों को फील्ड पर ले जाकर मोबाइल ऐप के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान, ट्रेनर्स ने कसरावद क्षेत्र में तेंदुओं की अधिक संख्या को देखते हुए गणना को गंभीरता से करने पर जोर दिया। यह प्रशिक्षण डीएफओ रमेश राठौर और एसडीओ हीरालाल पटेल की मौजूदगी में हुआ। अधिकारियों ने वनकर्मियों को सर्वेक्षण के हर चरण में दक्षता बनाए रखने की आवश्यकता बताई। इस अवसर पर परिक्षेत्र अधिकारी राजेश रंधावे और नरसिंह भूरिया भी उपस्थित थे। वन विभाग हर चार साल में एक बार वन्यजीवों की गणना करता है। इससे पहले यह गणना वर्ष 2022 में हुई थी। वर्तमान गणना पांच दिनों तक चलेगी, जिसमें वनकर्मी सीधे विभाग के मोबाइल ऐप में वन्यजीवों से संबंधित डाटा फीड करेंगे।

रिंकू ने रणजी में एक और शतक लगाया टेस्ट टीम में जगह के लिए दावेदारी पेश की

मुंबई (एजेंसी) ● बल्लेबाज रिंकू सिंह ने रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तर प्रदेश की ओर से शानदार शतक लगाया है। ये रिंकू का इस सत्र का दूसरा शतक है। रिंकू ने तमिलनाडु के खिलाफ ये शतक लगाया है। इस शतक के साथ ही फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अपना नौवां शतक लगाकर रिंकू ने भारतीय टेस्ट टीम के लिए भी अपनी दावेदारी पेश की है।

रिंकू ने यह शतक चौथे दिन के खेल के दौरान लगाया। इस दौरान उन्होंने 9 चौके और 3 छक्के भी लगाये। रिंकू का ये रणजी सत्र का दूसरा शतक है। इससे पहले रिंकू ने आंध्र के खिलाफ नाबाद 165 रन बनाये थे। इस दौरान कोई भी गेंदबाज उन्हें आउट नहीं कर पाया था।

रिंकू ने 273 गेंदों में 60 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 13 चौके और दो छक्के भी लगाए थे। रिंकू ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में लगातार अच्छी पारियां खेली हैं। फर्स्ट क्लास में नौवां शतक लगाने के साथ ही रिंकू ने भारतीय टेस्ट टीम के लिए भी दावेदारी पेश की हैं। देखना यह होगा कि रिंकू को कब अवसर मिलता है। ऐसे में उनके प्रदर्शन पर चयनकर्ताओं की भी नजर रहेंगी। रिंकू मध्यक्रम में भारतीय टीम की बल्लेबाजी को मजबूत बना सकते हैं। टीम इंडिया के लिए यह बल्लेबाज एकदिवसीय और टी20 टीम में धमाल मचा रहे हैं। रिंकू ने अपने फर्स्ट क्लास करियर में 51 मैचों की 73 पारियों में 3501 रन बनाए हैं। उनका औसत 57.39 का है, जबकि 70 के स्ट्राइक रेट से फर्स्ट क्लास में रिंकू ने 22 अर्धशतक भी लगाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर नाबाद 165 रन रहा है। उनके नाम 401 चौके और 41 छक्के हैं।

आशीष चंचलानी की हॉरर-कॉमेडी 'एकाकी' का पहला गाना 'रम रम रम' रिलीज

मुंबई (एजेंसी) ● भारत के सबसे बड़े डिजिटल स्टार्स में से एक हैं, अब एक बिल्कुल नए क्रिएटिव दौर में कदम रख रहे हैं। एकाकी से डायरेक्टर के तौर पर अपनी शुरुआत करते हुए, वह दर्शकों को पहले से बिल्कुल अलग तरह से चौंकाने वाले हैं। ट्रेलर ने पहले ही इंटरनेट पर धमाल मचा दिया है, और सोशल मीडिया पर बड़ी चर्चा शुरू हो गई है। पूरे भारत में पाँच भाषाओं में रिलीज़ होने वाली एकाकी आशिष की जर्नी में एक मज़बूत नया पड़ाव बनकर आ रही है। आखिरकार, एकाकी अपनी म्यूजिकल शुरुआत कर चुका है, और पहले गाने रम रम रम के टीज़र के बाद अब मेकर्स ने पूरा गाना रिलीज़ कर दिया है। इसमें आशीष बाकी

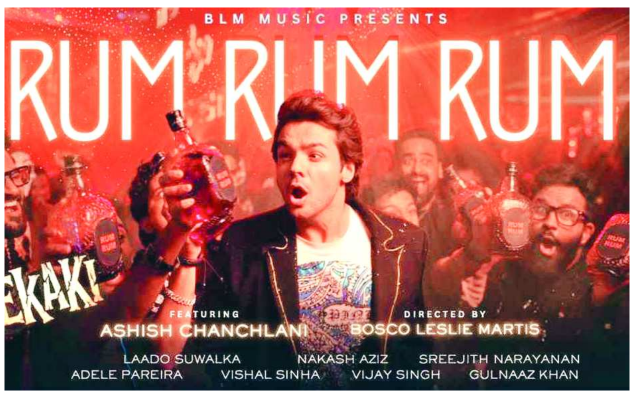

कलाकारों के साथ नज़र आते हैं, और उनके कुछ मज़ेदार डांस स्टेप्स इस गाने को और भी दिलचस्प बना देते हैं। गाना काफ़ी जोशीला है, और आशीष सच में डांस फ्लोर पर आग लगा देते हैं।

अंडर-19 वर्ल्ड कप में नहीं होगा भारत-पाकिस्तान का मैच

नई दिल्ली (एजेंसी) ● इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने अगले साल जनवरी और फरवरी में नामीबिया और जिम्बाब्वे में होने वाले अंडर-19 मेंस वर्ल्ड कप 2026 के शेड्यूल का ऐलान कर दिया है। इस टूर्नामेंट में 16 टीमें हिस्सा लेंगी। कार्यक्रम की घोषणा में सबसे बड़ा फैसला यह है कि भारत और पाकिस्तान को ग्रुप स्टेज में एक-दूसरे के खिलाफ नहीं रखा गया है। पिछले कई सालों से चले आ रहे इस सिलसिले को बरकरार रखते हुए, आईसीसी ने दोनों चिर-प्रतिद्वंद्वी टीमों को अलग-अलग ग्रुप में रखा है, जिससे उनके बीच ग्रुप स्टेज में भिड़ंत की संभावना समाप्त हो गई है। यह निर्णय दोनों देशों के बीच मौजूदा संबंधों को ध्यान में रखकर लिया गया है। आईसीसी ने 19 नवंबर को इस वनडे फॉर्मेट वाले वर्ल्ड कप के कार्यक्रम की घोषणा की, जो 15 जनवरी से शुरू होकर 6 फरवरी को फाइनल के साथ समाप्त होगा।

इंटर स्कूल शंतरज प्रतियोगिता मे वेंदात आचार्य को द्वितीय स्थान लिटिल मिलीनियम स्कूल में स्पर्धा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर लिटिल मिलीनियम विद्यालय द्वारा आयोजित इंटर स्कूल शतरंत प्रतियोगिता कनाडिया मे आयोजित हुई इसमे बीस विधालय द्वारा अलग अलग आयु वर्गो के 140 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया इसमे विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अपने - अपने स्तर पर शतरंज मे हाथ अजमाये जिसमे छात्र-छात्राओं ने विभिन्न आयु वर्ग 7 से 9 वर्ष 11 से 13 वर्ष मे पुरस्कार जीते इसमे सब जुनियर 11वर्ष आयु वर्ग मे सेंट अरनाल्ड विधालय विजय नगर के कक्षा छटी के छात्र वेंदात आचार्य ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया । इस स्पर्धा का मुख्य उद्देश्य मानसिक खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना था।

पुरुस्कार वितरण लिटिल मिनीलियम की प्राचार्य सुरभि लुहाडिया द्वारा वितरित किये गये।

रबाडा का दूसरे टेस्ट में खेलना तय नही

नई दिल्ली (एजेंसी) ● दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा अभी तक अपनी पसलियों की चोट से नहीं उबरें हैं और ऐसे में उनका गुवाहाटी में भारत के खिलाफ 22 नवंबर से होने वाले दूसरे टेस्ट में खेलना तय नहीं है। रबाडा का कहना है कि वह या कोई अन्य खिलाड़ी बाहर भी बैठता है तो भी उनकी टीम की जीत की संभावनएं कम नहीं होती। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने अपनी टीम की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसमें जो भी खेलेगा वह टीम को जीत दिलाएगा। उन्होंने कहा कि वह अपनी टीम की असफलताओं से उबरने और किसी भी खिलाड़ी के नहीं खेल पाने के बाद भी जीत की रहा तलाशने की क्षमताओं से बेहद प्रभावित हैं। दक्षिण अफ्रीका ने उनके बिन भी पहले टेस्ट में में भारतीय टीम के के खिलाफ जीत दर्ज की थी। टीम की गेंदबाजी भी कहीं से कमजोर नहीं थी।

एक्टिंग और मधुर आवाज से रागेश्वरी ने जीता फैंस का दिल

मुंबई (एजेंसी) ● गायिका एवं अभिनेत्री रागेश्वरी लूंबा ने अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। रागेश्वरी लूंबा न केवल अपनी एक्टिंग बल्कि मधुर आवाज से भी फैंस को दीवाना बनाया। इस सिंगर का जन्म एक संगीत परिवार में हुआ। उनके पिता, नेशनल अवॉर्ड विजेता संगीतकार त्रिलोक सिंह लूंबा, ने उन्हें बचपन से ही संगीत की शिक्षा दी। छोटी उम्र से ही रागेश्वरी स्टेज पर गाने लगीं और पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की। रागेश्वरी को पहला बड़ा ब्रेक 1993 में आई फिल्म आंखें से मिला, जिसमें उन्होंने अक्षय कुमार और चंकी पांडे के साथ काम किया। इसके बाद उन्होंने 1994 में मैं अनाड़ी तू खिलाड़ी और दिल कितना नादान जैसी फिल्मों में अभिनय किया। साल 2002 में वे तुम जियो हजारों साल में भी नजर आईं। रागेश्वरी ने केवल अपनी एक्टिंग से ही नहीं बल्कि अपनी आवाज से भी दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। 22 साल की उम्र में उन्होंने अपना पहला पॉप एल्बम दुनिया रिलीज किया, जो बेहद लोकप्रिय हुआ।

उज्जैन संभाग

भाजपा नेता और उनकी पत्नी के मर्डर केस में फैसला, 2 साल पहले हुआ था हत्याकांड

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● 2 वर्ष पहले शहर से सटे पिपलोदा द्वारिकाधीश गांव के भाजपा नेता रामनिवास कुमावत और उनकी पत्नी मुन्नीबाई के सनसनीखेज हत्याकांड में उज्जैन कोर्ट का फैसला आ गया। बुधवार को कोर्ट ने घटना में शामिल 3 हत्यारों को दोहरे आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। तीनों ने लूटपाट के इरादे से हत्याकांड को अंजाम दिया था। भाजपा नेता रामनिवास कुमावत गांव के मकान में पत्नी के साथ रहते थे। घटना तड़के 3 से 5 बजे के बीच हुई थी। रामनिवास भाजपा के पूर्व मंडलाध्यक्ष रह चुके थे। पेशे से गल्ला व्यापारी थे। वे रोज मॉर्निंग वॉक पर जाते थे। घटना वाले दिन वे घर से बाहर नहीं निकले तो गांव में ही रहने वाले उनके साले ने घर जाकर देखा। कमरे में रामनिवास और उनकी पत्नी मुन्नी कुमावत के शव पड़े थे। उन्होंने सुबह 6 बजे पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस ने जांच में पाया कि घटना 26-27 जनवरी की है। जहां रात को भाजपा नेता और उनकी पत्नी की हत्या की गई थी। दोनों दो दिन पहले ही पंजाब से लौटे थे। लूटपाट के बाद हत्या की आशंका के चलते पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाले। गवाहों ने बताया कि उसके खेत पर काम करने वाले नौकर आरिफ उर्फ मेहरबान शाह व विशाल माली निवासी पिपलोदा द्वारकाधीश का घटना के बाद हाव-भाव बदल गया है। आरिफ घर भी नहीं जा रहा है। वह गुमसुम उदास रहने लगा है। घर से खाना बुलाकर फार्म हाउस पर ही खाना खा रहा है।

सभी से पूछताछ की तो स्वीकार की हत्या

रात में अलफेज शाह फार्म हाउस पर आता दिखा। आरिफ और अलफेज शाह दबते छिपते साइकिल लेकर जाते दिखाई दिए। सभी से अलग अलग पूछताछ की तो उन्होंने लूट करने की नीयत से हत्या करना स्वीकार किया था।

ठंड में बेसहारा लोगों के लिए राहत, निगम आयुक्त ने देर रात रैन बसेरों का औचक निरीक्षण किया

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● बढ़ती ठंड और शीतलहर के बीच बेघर और जरूरतमंद लोगों को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने मंगलवार रात 12 बजे के बाद रैन बसेरों का औचक निरीक्षण किया। आयुक्त ने फाजलपुरा, दूधतलाई, घास मंडी चौराहा और नानाखेड़ा बस स्टैंड स्थित रैन बसेरों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि नगर निगम द्वारा संचालित सभी आश्रय स्थलों में नागरिकों के लिए समुचित इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रैन बसेरों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी लाइव मॉनिटरिंग भी होती है। ठंड से बचाव के लिए हीटर की व्यवस्था उपलब्ध है,

जिससे यहां ठहरने वाले जरूरतमंद लोग सुरक्षित महसूस कर सकें।

रंगाई-पुताई और आवश्यक सुविधाएं जुटाने के निर्देश

आयुक्त मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रैन बसेरों की रंगाई-पुताई, आवश्यक सामग्री और संसाधनों की उपलब्धता में किसी तरह की कमी न रहे। उन्होंने खासतौर पर रजाई, कंबल, मच्छरदानी, पीने के स्वच्छ पानी, मनोरंजन के लिए टीवी और साफ-सुथरे शौचालयों की व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त संदीप शिवा और जनसंपर्क अधिकारी पवन कुमार भी मौजूद रहे।

महाकाल मंदिर प्रबंध समिति की बैठक आज कलेक्टर की अध्यक्षता में दर्शन व्यवस्था, निर्माण कार्यों पर चर्चा होगी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की बैठक गुरुवार, 20 नवंबर को सुबह 11 बजे कलेक्टर कार्यालय में आयोजित की जाएगी। इस बैठक में देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुगम दर्शन व्यवस्था और मंदिर में चल रहे निर्माण कार्यों पर चर्चा होगी। मंदिर समिति के सहायक प्रशासक व जनसंपर्क विभाग प्रभारी आशीष फलवाडिया ने कहा कि बैठक की अध्यक्षता मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष एवं कलेक्टर रोशन कुमार सिंह करेंगे। यह बैठक सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल स्थित कलेक्टर कार्यालय में होगी। मुख्य एजेंडा बिंदुओं में मंदिर में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों को समय सीमा में पूरा करना और दर्शन व्यवस्था को और अधिक सुलभ बनाना शामिल है। इसके अतिरिक्त, मंदिर परिसर में दान के लिए लगाए गए क्यूआर कोड की शुरुआत पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। संभावना है कि बैठक में तिरुपति मंदिर की तर्ज पर दर्शन व्यवस्था लागू करने और मंदिर संचालन के लिए ट्रस्ट बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी सदस्यों के साथ विचार-विमर्श किया जाएगा। हाल ही में, कलेक्टर रोशन कुमार सिंह और मंदिर समिति के प्रशासक प्रथम कौशिक सहित अन्य अधिकारियों ने तिरुपति मंदिर की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया था।

आगर-मालवा की कॉलोनी में 12 कारों में तोड़फोड,बदमाशों ने जमकर मचाया उत्पात

दैनिक इंदौर संकेत

आगर मालवा ● शहर की मास्टर कॉलोनी में मंगलवार और बुधवार की दरम्यानी रात अज्ञात बदमाशों ने उत्पात मचाया। उन्होंने कॉलोनी में पार्क की बाउंड्री और मकानों के बाहर खड़ी 12 कारों के कांच तोड़ दिए। सुबह जब रहवासी जागे, तो उन्होंने अपने वाहनों को क्षतिग्रस्त पाया।वारदात में वाहनों के फ्रंट और बैक शीशे पूरी तरह से टूट गए थे, जिससे हर तरफ कांच के टुकड़े बिखरे हुए थे। इस घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है, और रहवासी रात की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं।

घटना की जानकारी मिलते ही प्रभावित लोगों ने तुरंत कोतवाली थाने को सूचित किया। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र का निरीक्षण कर पंचनामा तैयार किया। रहवासी अजय मंगल ने बताया कि उनकी कार के साथ-साथ आसपास खड़ी कई अन्य कारों के शीशे भी चकनाचूर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि कॉलोनी में इस तरह की यह पहली बड़ी वारदात है, जिससे लोग बेहद चिंतित हैं। थाना प्रभारी शशि उपाध्याय ने जानकारी दी

कि सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक जांच शुरू कर दी है। कॉलोनी और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। टीआई उपाध्याय के अनुसार, फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। रिहायशी क्षेत्र में हुई इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोग रात में गश्त बढ़ाने और कॉलोनी में अतिरिक्त सुरक्षा उपाय करने की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि मामले को प्राथमिकता से लिया गया है और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

आज से शुरू होगी पीएमश्री पर्यटन हेलीकॉप्टर सेवा महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर के दर्शन कर सकेंगे

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● पीएमश्री पर्यटन हेलीकॉप्टर सेवा का नियमित संचालन गुरुवार से शुरू हो रहा है। उज्जैन, इंदौर, ओंकारेश्वर के बीच शुरू होने वाली हवाई सेवा से भगवान शिव के भक्त कम समय में एक साथ दो ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर सकेंगे। इसके लिए पर्यटकों को 5000 से 6500 रुपए तक चुकाने होंगे। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मध्य प्रदेश के स्थापना दिवस पर एक नवंबर को भोपाल के राजाभोज विमानतल से शुभारंभ किया था। पहले दिन इंदौर व उज्जैन के बीच सेवा संचालित होगी। इसके लिए उज्जैन पुलिस लाइन स्थित हेलीपेड पर हेलीकॉप्टर उतरने की मंजूरी दे दी गई है। श्रद्धालु हेलीकॉप्टर के जरिए सिर्फ तीन घंटे में श्री महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग दर्शन के लिए पहुंच सकेंगे।

6 सीटर हेलीकॉप्टर से हवाई यात्रा करने के लिए एक से दूसरे शहर के बीच प्रति यात्री को 5000 से 6500 रुपए तक खर्च करना होंगे।

हेलीकॉप्टर सेवा बुधवार व गुरुवार को छोड़कर सप्ताह के शेष पांच दिन रहेगी। हेलीकॉप्टर में यात्रा सुविधा के लिए ऑनलाइन फ्लाइट बुक की जा सकती है। फ्लाइट शेड्यूल की जानकारी और बुकिंग के लिए https// www.flyola.in/ और https//air.irctc.co.in/ flyola वेब साइट का उपयोग कर सकते हैं।

मध्यप्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन पचमढ़ी हो या कान्हा, बांधवगढ़-स्त्रक्र (सतपुड़ा टाइगर रिजर्व) और दोनों ज्योतिर्लिंग। यहां पर आप सड़क या ट्रेन से ही नहीं, आसमान में उड़कर भी पहुंच सकेंगे। 20 नवंबर से प्रदेश में पीएमश्री पर्यटन हेलिकॉप्टर सेवा की नियमित उड़ानें शुरू हो रही हैं। इसके बाद भोपाल से 5 हजार रुपए में पचमढ़ी जा सकेंगे, जबकि इंदौर से ओंकारेश्वर की दूरी सिर्फ 25 मिनट में तय हो जाएगी

न्यूज ब्रीफ

बिना लाइसेंस चल रही फार्मेसी में खाद्य कारोबार कराया गया बंद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा हाल ही में इंदौर में फूड एंड ड्रग लैब के उद्घाटन अवसर पर मिलावटखोरों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। उन्हीं निर्देशों के अनुपालन में आज कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में जिला प्रशासन, खाद्य औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए, Apollo Pharmacy Unit of Apollo Pharmacies Limited प्लॉट नंबर 617, ग्रेटर बृजेश्वरी ग्राम पिपलियाहाना इंदौर का औचक निरीक्षण किया। परिसर में प्रतिष्ठान प्रभारी एवं फार्मासिस्ट उजेर खान उपस्थित पाए गए। मौके पर प्रतिष्ठान में दवाइयां के अतिरिक्त विभिन्न खाद्य पदार्थ जैसे रेडी टू सर्व फ्रूट बेवरेज, प्रोटीन पाउडर, इन्फेंट फूड, मल्टीविटामिन फूड प्रोडक्ट आदि मानव उपभोग हेतु विक्रय के लिए संग्रहित पाए गए। मौके पर परिसर का खाद्य लाइसेंस/ पंजीयन नहीं पाया गया।

अग्निवीर : इंदौर में 20 नवंबर से 5 दिसम्बर तक चलेगी भर्ती रैली

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अग्निपथ योजना अंतर्गत अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन आर्मी रिक्रूटमेन्ट ऑफिस महू एवं जिला प्रशासन के निर्देशन में 20 नवम्बर से 5 दिसम्बर तक इन्दौर के तक्षशीला परिसर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय खण्डवा रोड में किया जा रहा है। भर्ती रैली में इन्दौर एवं उज्जैन सम्भाग के 15 जिलों के उम्मीदवार जिन्होंने अग्निवीर हेतु ऑनलाईन परीक्षा उत्तीर्ण की है वह इस भर्ती रैली में भाग ले सकेंगे। उप संचालक रोजगार पी.एस. मण्डलोई ने बताया कि अग्निवीर भर्ती रैली में शामिल होने वाले उम्मीदवारों की सुविधा के लिये जिलावार तिथियां निर्धारित गई हैं। 23 नवम्बर को नीमच, झाबुआ, आलीराजपुर, बड़वानी और बुरहानपुर जिले के उम्मीदवार भर्ती रैली में शामिल होंगे।

7500 करोड़ के इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट में चूक, भूल गए इंजीनियर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश के इंजीनियरों के भोपाल के 90 डिग्री एंगल वाले ब्रिज ने पहले ही भद्द पिटवा दी थी। फिर इंदौर में डबल 90 डिग्री वाला ' आकार का ब्रिज सामने आया था। खैर, यह प्रोजेक्ट तो कुछ करोड़ों के थे। इसके बादवजूद जब हजारों करोड़ के प्रोजेक्ट में अजीब चूक होती है, तो क्या कहेंगे? यह हुआ है इंदौर के 7500 करोड़ के मेट्रो प्रोजेक्ट में। वैसे अब इसकी लागत 10 हजार करोड़ से अधिक अनुमानित है।

यह चूक कर दी मेट्रो इंजीनियरों ने

यह चूक इंदौर के मेट्रो इंजीनियरों और आर्किटेक्ट ने मेट्रो स्टेशन बनाने में की है। यहां से हर दिन लाखों यात्रियों को आना-जाना करना है। मेट्रो के पहले चरण के लिए ट्रायल रन जारी है। यह गांधीनगर स्टेशन से रेडिसन स्टेशन तक 17 किलोमीटर का है।

इस चरण में मेट्रो के इंजीनियर स्टेशन के बाहर पार्किंग की प्लानिंग करना ही भूल गए। जी हां, यहां पर आने-जाने वाले यात्री या उन्हें छोड़ने आने वाले कहां पर वाहन लगाएंगे, इसकी जगह ही नहीं है।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के दौरे में खुली पोल

इस खामी की शिकायत मिलने पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मेट्रो रूट का दौरा किया है। उनके साथ महापौर

पुष्यमित्र भार्गव, निगमायुक्त दिलीप यादव और अधिकारी भी थे। इन अधिकारीयों में एमआईसी सदस्य, मेट्रो और आईडीए शामिल थे। मंत्री विजयवर्गीय ने बुधवार, 19 नवंबर को मेट्रो स्टेशन का दौरा किया और वहां समस्या पाई है।

यह भारी भूल है - मंत्री विजयवर्गीय-मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने खुलकर कहा कि, इंदौर मेट्रो, निगम और आईडीए के अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया है। इसमें मेट्रो स्टेशन के पास पार्किंग की ही नहीं है। इन्होंने पार्किंग का प्लान ही नहीं किया है।

मेट्रो के जो आर्किटेक्ट हैं, जो डिजाइन करने वाले लोग हैं, उनकी यह बहुत बड़ी गलती है। उनके पास वहां जमीन नहीं है। हमने अब आईडीए से कहा है कि अगर उनके पास जमीन हो, तो वहां पार्किंग की व्यवस्था की जाए।

मंत्री ने कहा कि और भी कई समस्याएं हैं, कई जगह डिवाइडर, पोल लगे हैं। इसके बावजूद, रिस्टोरेशन यानी समतलीकरण सही से नहीं हुआ है। यह भी देखना है कि इसे कौन करेगा। इन सभी पर बात की गई है।

इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट में चूक की खबर पर एक नजर...

- **इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट में चूक :** मेट्रो स्टेशन के बाहर पार्किंग की योजना नहीं बनाई गई, जिससे यात्रियों को समस्या हो सकती है।
- **मंत्री विजयवर्गीय ने की आलोचना :** कैलाश विजयवर्गीय ने मेट्रो स्टेशन का निरीक्षण किया और पार्किंग की कमी को बड़ी गलती बताया।
- **पार्किंग की व्यवस्था नहीं :** मेट्रो के आर्किटेक्ट्स और इंजीनियरों ने स्टेशन के पास पार्किंग का कोई प्लान नहीं बनाया।
- **अन्य समस्याएं भी सामने आईं :** मेट्रो के रूट पर डिवाइडर और पोल की समस्याएं हैं, और समतलीकरण भी सही से नहीं हुआ।
- **आईडीए को निर्देश :** मंत्री ने आईडीए से कहा कि अगर जमीन उपलब्ध हो, तो पार्किंग की व्यवस्था की जाए।

एसआईआर पर चुनाव आयोग के सीधे बोल

इंदौर, भोपाल, ग्वालियर कलेक्टर और चुनाव अधिकारी कार्रवाई के लिए रहें तैयार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विशेष गहन पुनरीक्षण के मध्य प्रदेश में धीमे काम ने अब अधिकारियों को संकट में डाल दिया है। बुधवार सुबह भारत निर्वाचन आयोग की समीक्षा बैठक में मध्य प्रदेश में धीमी रफ्तार पर आयोग ने नाराजगी जाहिर की। खासकर इंदौर, भोपाल और ग्वालियर जिला प्रशासन पर आयोग जमकर बरसा। चुनाव आयोग की डायरेक्टर शुभ्रा सक्सेना ने इंदौर, भोपाल और ग्वालियर शहर को लेकर भारी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने सीधे शब्दों में अधिकारियों को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि यहां के जिला निर्वाचन अधिकारी यानी कलेक्टर, साथ में चुनाव की जिम्मेदारी संभालने वाले निगमायुक्त अन्य सहायक निर्वाचन अधिकारी सभी कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

अगली बैठक के पहले

सुधार नहीं दिखे तो फिर हम सख्त कदम उठाने से भी पीछे नहीं हटेंगे। इस मामले में कोई देरी नहीं चलेगी। डायरेक्टर ने कहा कि कलेक्टर (ग्वालियर कलेक्टर रुचिका चौहान) (आईएएस कौशलेन्द्र विक्रम सिंह)मैदानी समस्याओं को हैंडल करेंगे।

इंदौर और भोपाल निचले पायदान पर-इंदौर और भोपाल खासकर मध्य प्रदेश में निचले पायदान पर हैं। यहां पर 10 फीसदी ही डिजिटलाइजेशन हुआ है। यह वह प्रक्रिया है जिसमें फार्म भरकर मतदाता बीएलओ को देता है। फिर वह आयोग की एप पर इनका डिजिटलाइजेशन करता है।

इसमें इंदौर और भोपाल निचले पायदान पर है। इंदौर में यह काम करीब 10 फीसदी ही हुआ है। सभी काम 4 दिसंबर तक करके देना है।

इंदौर में 28 लाख मतदाता, समस्या आयोग से शुरू-इंदौर में 28 लाख से ज्यादा मतदाता हैं। करीब तीन लाख मतदाताओं के ही फार्म अभी लौटकर आए हैं। हालांकि समस्या आयोग की तरफ से ही शुरू हुई है।

चार नवंबर को ही सभी फार्म छपकर चुनाव अधिकारियों को मिल जाने थे। आयोग ने मध्य प्रदेश में केवल एक सिंगल वेंडर अतुल मेहता को रखा। यानी इस अकेले वेंडर को मध्य प्रदेश में 11 करोड़ से ज्यादा फार्म छापकर पूरे प्रदेश में देना थे (हर मतदाता के दो फार्म)।

इसने इंदौर में करीब दस दिन देरी से यह फार्म दिए। इसके लिए भी इंदौर के अधिकारियों को जो प्रिंटिंग मशीन ली वह अपने पास ली। दिन-रात पटवारियों और आरआई को बैठाकर खुद फार्म छपवाए।

इसके बाद यह बीएलओ के पास पहुंचाए गए। फार्म छपकर आने के दो दिन के भीतर इनका वितरण बीएलओ को हो गया। अब बीएलओ घर-घर जाकर फार्म पूरे दे चुके हैं लेकिन अभी मतदाताओं से लौटकर नहीं आए हैं।

गांधी प्रतिमा पर जल्द शुरू होगा काम

यहां चूहों का आंतक जरूर बढ़ा हाईमास्ट का भी स्ट्रेंथनिंग करेंगे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रीगल चौराहे पर बनी गांधी प्रतिमा के गार्डन का काम जल्द शुरू किया जाएगा। यहां बनी हाईमास्ट और तिरंगे झंडे के लिए लगे पोल की भी स्ट्रेंथनिंग करवाई जाएगी। बताया जा रहा है कि आगामी 23-24 नवंबर से काम की शुरुआत हो सकती है।

रीगल चौराहे के बीच में लगी गांधी प्रतिमा के गार्डन में चूहों के सैकड़ों बिल बना दिए है। इसके साथ ही यहां बड़ी संख्या में चूहे हो रहे है, जिसके कारण यहां मिट्टी भी पोली होती जा रही है। बीते महीनों में चूहों के कारण अलग-अलग घटनाएं सामने आ चुकी है। एमवाय अस्पताल में चूहे दो मासूम बच्चों की उंगलियां कुतर गए थे। वहीं शास्त्री मार्केट के समीप शास्त्री ब्रिज का रोड का कुछ हिस्सा धस गया था। जिसके कारण यहां गड्ढा हो गया था। इधर, जब शास्त्री ब्रिज के रोड के हिस्से का सुधार काम किया जा रहा था। इस दौरान नगर निगम के जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौर को शिकायतें मिली थी कि गांधी प्रतिमा के आसपास भी काफी संख्या में चूहे हो गए है और यहां की मिट्टी भी पोली होती जा रही है। जिसके बाद उन्होंने यहां का निरीक्षण किया था। जिसके बाद महापौर और एसजीएसआईटीएस के एक्सपर्ट्स ने भी यहां की स्थिति को देखा था।

मेयर बोले - बजट की चिंता नहीं है

महापौर ने बताया कि इंदौर में रीगल चौराहे पर जहां महात्मा गांधी जी की प्रतिमा है वहां पर तोते और कबूतरों को दाने डालने के कारण चूहों का आंतक जरूर बढ़ा है। उसके लिए हमने जीएसआईटीएस के एक्सपर्ट्स के साथ हम दौरा कर चुके है। लैंड रिफिलिंग का, क्रांक्रीट की दीवार बनाने का और पेस्ट कंट्रोल के कई सारे सुझाव आए है, जिस पर टीम ने काम शुरू कर दिया है।

बस में अश्लील हरकतें करने वालों के खिलाफ कोर्ट सख्त

आधी रात को हुई घटना के तीनों आरोपियों की जमानत खारिज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पिछले दिनों मुंबई से इंदौर लौट रही इंदौर की एक युवती के साथ बस में छेड़छाड़ के मामले में कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए तीनों आरोपियों की जमानत खारिज कर दी। मामले में सेंधवा पुलिस ने आरोपी ड्राइवर मुकेश निकुंभ और क्लीनर शाहरुख को गिरफ्तार किया था, दोनों की जमानत पिछले हफ्ते कोर्ट ने खारिज कर दी थी। बुधवार को सेंधवा सेशन कोर्ट में फिर दोनों की ओर से जमानत के लिए अर्जी लगाई गई। कोर्ट ने मामले को गंभीर मानते हुए जमानत खारिज कर दी।

इसी केस में मुख्य आरोपी किशोर सिंह को पुलिस अब तक गिरफ्तार नहीं कर सकी है। उसकी ओर से एडवोकेट ने अग्रिम जमानत के लिए अर्जी लगाई थी। इसमें भी बुधवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने उसकी भी जमानत खारिज कर दी। पीड़िता की मां ने इसकी पुष्टि की है।

यह है मामला

मामला इंदौर की एक युवती का है, जो मुंबई में एनिमेटर की जॉब करती है। 6 नवंबर की शाम वह गोरेगांव से हंस ट्रेवल्स की बस (AR-11 D-1919) से इंदौर के लिए रवाना हुई थी। बस रात 11.30 कसारा फूड स्टॉप पर रुकी थी। यहां हंस ट्रेवल्स के ही एक अन्य ड्राइवर ने बस ड्राइवर से कहा कि एक सवारी को बैठा लेना, उन्हें भी इंदौर ही जाना है। बस में ही आरोपी किशोर सिंह ने युवती से अश्लीलता और छेड़छाड़ की गई। इसमें बस के ड्राइवर और क्लीनर ने भी उसका साथ दिया। जब उनकी हरकतें नहीं रुकी तो युवती ने इंदौर में अपनी मां को फोन पर घटना की जानकारी दी। इसके बाद मां कार से सेंधवा तक पहुंची और उसे उतारकर पुलिस को शिकायत की।

पूर्व लोकसभा स्पीकर ने कमिश्नर से की थी बात

अगले दिन युवती की मां ने पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन को पूरा घटनाक्रम बताया। उन्होंने पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह से बात की। कमिश्नर ने बताया कि युवती की मनोस्थिति अभी ठीक नहीं है। वह काफी घबराई हुई है। सेंधवा में केस दर्ज होने पर उसे बयान के लिए परेशानी होगी, इसलिए राजेंद्र नगर थाने में केस दर्ज किया जाएगा। इसके बाद राजेंद्र नगर पुलिस ने केस दर्ज कर सेंधवा पुलिस को रैफर किया।

हंस ट्रैवल्स में छेड़छाड़ के बाद वर्मा ट्रैवल्स की बस में नेशनल शूटर से बैड टच

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बसों में छेड़छाड़ की घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में वर्मा ट्रैवल्स की बस में एक शूटर के साथ बैड टच की घटना सामने आई। इससे पहले हंस ट्रैवल्स की बस में भी छेड़छाड़ की घटना हुई थी। इंदौर की बसों में दहशत थमने का नाम नहीं ले रही है। प्रशासन और पुलिस कितने भी दावे कर लें, लेकिन ये बसें सड़कों पर लोगों को पहले रौंद रही थीं। अब इनके स्टाफ ड्राइवर-क्लीनर युवतियों को छेड़ रहे हैं। कुछ दिन पहले ही हंस ट्रैवल्स की बस में छेड़छाड़ का मामला सामने आया था। वहीं, अब वर्मा ट्रैवल्स की बस में तो नेशनल शूटर के साथ बैड टच की घटना हुई है।

इंदौर-पुणे बस के बीच में हुआ यह-16 नवंबर को रात 12 बजे पुणे से भोपाल जा रही एक शूटर के साथ यह घटना हुई थी। वर्मा ट्रैवल्स की स्लीपर बस में ड्राइवर और दो हेल्पर ने बैड टच किया था। यह घटना इंदौर के राजेंद्रनगर थाने के पास हुई थी। पुलिस की चेकिंग देखकर शूटर को हिम्मत आई और उसने हेल्परों को पीट दिया। यह घटना बस नंबर एमपी 09 एजी 0336 में हुआ थी। ड्राइवर और हेल्पर घटना के बाद फरार हो गए थे। बाद में

पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया था। मौके पर मौजूद लोगों का कहना था कि ड्राइवर और कंडक्टर नशे में थे।

हंस ट्रैवल्स में भी हो चुकी ऐसी घटना-हाल ही में 6 नवंबर को हंस ट्रैवल्स की बस में भी छेड़छाड़ का मामला हुआ था। मुंबई-इंदौर रूट की एक बस में युवती के साथ यात्री ने आपत्तिजनक हरकतें की थीं। वहीं इस मामले में भी ड्राइवर और क्लीनर ने आरोपी को रोकने के बजाय उसका साथ दिया था। घटना का वीडियो सामने आने के बाद राजेंद्रनगर पुलिस ने शून्य पर केस दर्ज किया था। साथ ही, केस बड़वानी जिले को ट्रांसफर किया गया था, क्योंकि छेड़छाड़ वहीं हुई थी। इसमें भी ड्राइवर और क्लीनर को गिरफ्तार किया था। इनकी जिला कोर्ट बड़वानी से जमानत खारिज हो गई है। हालांकि, इस वारदात का मुख्य आरोपी किशोर सिंह अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर है। इस केस में पीड़िता की मां की हिम्मत और सूझबूझ ने अहम भूमिका निभाई है।

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटरों से हो चुकी छेड़छाड़

इंदौर पहले भी इंटरनेशनल लेवल पर शर्मिंदा हो चुका है। 25 अक्टूबर को महिला वर्ल्ड कप क्रिकेट मैच के दौरान एक अजीब घटना घटी थी। ऑस्ट्रेलिया टीम की दो खिलाड़ी होटल रेडिसन ब्लू से पैदल जा रही थीं और कैफे द नेबरहुड की तरफ जा रही थीं। तभी बाइक पर सवार एक आरोपी अकील ने उन्हें छेड़ा। अकील सफेद शर्ट और काली टोपी पहने हुए था। बाद में पुलिस ने उसे पकड़ लिया था। कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि यह चिंता की बात है। बस संचालकों को पहले भी हिदायत दी गई थी कि इस तरह की शिकायतें आती हैं। वे ड्राइवर-क्लीनर का सत्यापन कराएं और नशे में न मिलें। यह गंभीर घटना है। सभी बातें पहले भी बताई गई थीं। इस पर कार्रवाई होगी।

हेलमेट से मोटर बोट तक : विधायक निधि में नए जमाने की मांगें, बदलेंगे 12 साल पुराने नियम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विधायक निधि से कराए जाने वाले कामों का दायरा अब जमाने के साथ बदलने जा रहा है। जनता की मांगें पहले जैसी नहीं रहीं। किसी को मुफ्त हेलमेट चाहिए, तो कोई नदी में मोटर बोट चलाने की सुविधा चाहता है। कहीं विकलांगों के लिए ई-ट्राइसाइकिल की जरूरत बताई जा रही है। कहीं आधुनिक सफाई मशीनें शामिल करने का सुझाव दिया गया है। बदलते नजरिए को देखते हुए सरकार 12 साल पुराने नियमों को संशोधित कर रही है। नई सूची तैयार की जा रही है।

2013 में बनी थी आखिरी सूची-वर्तमान सूची 2013 में तय हुई थी। इसमें श्मशान, स्कूल बॉन्ड्रीवॉल और बस स्टॉप जैसी परंपरागत जरूरतें शामिल हैं। लेकिन, अस्पताल या सार्वजनिक संस्थानों को निधि से मदद की अनुमति नहीं है। कई जगहों पर निधि से बने बस स्टॉप पर यात्री बसें नहीं रुकतीं। इसके कारण ये बस स्टॉप असामाजिक तत्वों का अड्डा बन गए हैं।

हेलमेट, ई-ट्राइसाइकिल, मोटर बोट की मांगें बढ़ीं- महेश्वर विधायक राजकुमार मेव ने सड़क सुरक्षा के लिए हेलमेट खरीदी को निधि में शामिल करने का सुझाव दिया। इसका उद्देश्य जरूरतमंदों को नि:शुल्क हेलमेट वितरण करना है। छतरपुर विधायक ललिता यादव ने विकलांगों के लिए हैंड-ड्राइव

ट्राइसाइकिल की जगह आधुनिक ई-ट्राइसाइकिल देने का प्रस्ताव दिया है। हरसूद विधायक और जनजातीय मंत्री विजय शाह ने नदी क्षेत्रों में उपयोग के लिए मोटर बोट खरीदी को सूची में जोड़े जाने की सलाह दी है। कांग्रेस विधायक सचिन यादव चाहते हैं कि अस्पताल और अन्य सार्वजनिक संस्थानों को भी निधि से सहायता दी जा सके। कई विधायकों ने स्कूलों-कॉलेजों के लिए सेनेटरी पैड इन्सिनरेटर की सलाह दी है। वहीं, कई ने वेस्ट मैनेजमेंट मशीनों की खरीदी सूची में जोड़ने का सुझाव दिया है। वर्तमान में यह काम केवल कुछ नगर निकाय ही अपने स्तर पर कर पाते हैं। विधायक स्वेच्छानुदान का इस्तेमाल इलाज, आर्थिक सहायता और छोटे कार्यों में होता है। इसके 75 लाख से बढ़ाकर 1 करोड़ करने की मांग भी जोर पकड़ रही है।

वक्त बदल रहा है, सूची भी बदलेगी- मिश्रा

राज्य आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग ने सभी विधायकों से 15 दिसंबर तक सुझाव भेजने को कहा है। विभाग के आयुक्त विकास मिश्रा ने कहा वक्त के साथ बदलाव जरूरी है। इसलिए निधि से किए जा सकने वाले कामों की नई सूची तैयार की जा रही है। जल्द ही इसे अंतिम रूप दिया जाएगा।

दोगुनी होगी विधायक निधि

वर्तमान में विधायक प्रति वर्ष 2.5 करोड़ रुपए निधि पाते हैं। अब इसे 5 करोड़ करने का प्रस्ताव लगभग तय हो चुका है। यूपी, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तराखंड और दिल्ली की तर्ज पर बजट 2026-27 से इसे लागू करने की तैयारी है। हालांकि, दिल्ली में प्रति विधायक मिलने वाली निधि 15 करोड़ थी, जिसे अब घटाकर 5 करोड़ किया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।